हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र | www.suryabulletin.com | suryabulletin@gmail.com

सूर्या बुलेटिन

सच जो दिल दहला दे...

वर्ष : 1 अंक : 34 | गाजियाबाद, बुधवार, 26 जून से 2 जुलाई-2024 | Tital Code : UPHIN40005 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपये

अतुल गर्ग ने दिया ओवैसी को करारा जवाब

संसद में शपथ ग्रहण के बाद दहाड़े अतुल गर्ग

- जय फिलिस्तीन के जवाब में कहा जय हेडगेवार

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। लोकसभा में सांसदों की शपथ के दौरान गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को करारा जवाब दिया। अतुल गर्ग के जवाब के बाद पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दरअसल, ओवैसी ने सांसद पद की शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन कहा था। जिसे लेकर सदन में जमकर हंगामा हुआ। हालांकि उनके इस कथन को कार्यवाही से हटा दिया गया। उनके कुछ देर बाद गाजियाबाद से भाजपा सांसद अतुल गर्ग शपथ लेने मंच पर पहुंचे। उन्होंने शपथ लेने के बाद पार्टी के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए, विपक्ष ने अपना विरोध दर्ज किया तो वह दोबारा मंच पर लौटे और आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार जिंदाबाद का नारा लगाया। जिसके बाद सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

18वीं लोकसभा के लिए सांसदों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम जारी है। मंगलवार को संसद भवन में सांसदों के शपथग्रहण के दौरान उस समय हंगामा मच गया जब एआईएमआईएम के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और जय फिलिस्तीन का नारा लगा दिया। उनके इस नारे को लेकर सदन में जोरदार विरोध हुआ। जिसके बाद उस समय लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे राधा मोहन सिंह ने सदस्यों को आश्वस्त किया कि शपथ के अलावा कोई भी बात रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की जाएगी। कुछ मिनट तक हंगामा जारी रहा, जिसके बाद शपथ ग्रहण फिर से शुरू हुआ। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब जल्द ही अध्यक्ष के पद पर वापस आए और कहा कि केवल शपथ या प्रतिज्ञान ही रिकॉर्ड किया जा रहा है। कुछ देर बाद गाजियाबाद से भाजपा के सांसद अतुल गर्ग शपथ लेने मंच पर पहुंचे। शपथ लेने के बाद अतुल गर्ग ने पार्टी के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। अपनी बात कहकर अतुल गर्ग वापस जाने लगे, लेकिन विपक्षी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। जिस पर अतुल गर्ग वापस माइक पर पहुंचे और आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार जिंदाबाद का नारा लगाया। अतुल गर्ग के इस करारे जवाब ने उनके मतदाताओं का गर्वित होने का आभास जरूर करवाया। ओवैसी को दिए उनके इस करारे जवाब पर गाजियाबाद के मतदाताओं ने कहा कि अतुल गर्ग ने ऐसा करके न केवल जिले का गौरव बढ़ाया है बल्कि कभी भारत माता की जय नहीं बोलने वाले ओवैसी को जय फिलिस्तीन बोलने पर शेर की तरह दहाड़ कर करारा जवाब दिया है। ओवैसी हमेशा से ही विभाजनकारी बयान देते हैं, वह भूल जाते हैं कि वह भारत में ही रहते हैं और यहीं का खाते हैं, लेकिन सहयोग, समर्थन और जय फिलिस्तीन की बोलते हैं। ओवैसी के इस नारे को लेकर उनकी संसद सदस्यता रद्द की जानी चाहिए।

बरेली के सांसद ने कहा जय हिन्दू राष्ट्र

भले ही इस बार भाजपा को गठबंधन के सहयोग से सरकार बनानी पड़ी है, लेकिन विभाजनकारी बातें करने वालों को करारा जवाब देने में भाजपा सांसद पीछे नहीं है। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग के बाद बरेली से भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार ने शपथ के बाद जय हिन्दू राष्ट्र बोल कर ओवैसी आइना दिखाने का काम किया।

अफजाल अंसारी की सांसदी पर प्रश्न चिन्ह

सांसद पद की शपथ भी नहीं ले सकते अफजाल अंसारी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। देश में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और केंद्र सरकार का गठन भी हो चुका है। नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई जा रही है। जल्द ही सदन में तमाम मुद्दों पर बहस होगी। कई बिल भी पेश किए जाएंगे। हालांकि एक सांसद ऐसा भी है, जिसने तकरीबन सवा लाख वोटो से जीत दर्ज की है, जिसे जनता ने अपना नुमाइंदा चुना है, लेकिन इसके बावजूद फिलहाल वह ना तो सदन की कार्रवाई में हिस्सा ले सकेगा, ना किसी मुद्दे पर वोटिंग कर सकेगा और ना ही सांसद निधि से एक भी पैसा खर्च कर सकेगा। इतना ही नहीं उसके शपथ लेने पर भी सस्पेंस है।

इस नवनिर्वाचित सांसद का नाम है अफजाल अंसारी। यह यूपी की गाजीपुर सीट से चुने गए हैं और ज्यादातर लोग इनको पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बड़े भाई के तौर पर जानते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 14 दिसंबर को अपने फैसले में अफजाल अंसारी को गैंगस्टर मामले में मिली सजा पर रोक तो लगा दी थी, लेकिन साथ ही कई शर्तें भी रखी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि जब तक इलाहाबाद हाईकोर्ट से अफजाल अंसारी की अपील पर फैसला नहीं आ जाता तब तक वह ना तो संसद की कार्यवाही में हिस्सा ले सकते हैं और ना ही सदन में किसी मुद्दे पर वोटिंग कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला आने तक अफजाल अंसारी के सांसद निधि के पैसे खर्च करने पर भी रोक लगा दी थी। हालांकि अदालत में अपने फैसले में कहा था कि गाजीपुर सीट पर उपचुनाव नहीं होगा और अफजाल अंसारी हाईकोर्ट का फैसला आने से पहले कोई भी चुनाव लड़ सकेंगे, लेकिन जीत की सूरत में उनके निर्वाचन अदालत के फैसले पर ही निर्भर करेगा। अफजाल अंसारी को गैंगस्टर मामले में गाजीपुर की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा का मामला अभी इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेंडिंग है। अफजाल अंसारी ने सजा को रद्द किए जाने की अपील की है तो साथ ही यूपी सरकार और बीजेपी के पूर्व विधायक कृष्णानंद राय के परिवार ने सजा बढ़ाए जाने की मांग को लेकर अर्जी दाखिल की है। हाईकोर्ट में जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच तीनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही है। इस मामले में अगली सुनवाई अब दो जुलाई को होनी है। मामला अब फाइनल स्टेज पर है. जल्द ही सुनवाई पूरी हो जाने और अदालत का फैसला आने की उम्मीद है। अफजाल अंसारी लगातार दूसरी बार सांसद तो चुन लिए गए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक वह संसद की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके अलावा उनके पास सदन में किसी मुद्दे पर वोटिंग करने का अधिकार भी नहीं होगा। वह सांसद निधि की रकम भी खर्च नहीं कर सकेंगे। हालांकि उनके शपथ लेने पर सस्पेंस बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में शपथ को लेकर कुछ भी नहीं कहा था।

- हाईकोर्ट में लंबित मामले का फैसला आने तक नहीं ले सकेंगे संसदीय कार्यवाही में हिस्सा

हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में अफजाल अंसारी के केस से जुड़े बीजेपी के पूर्व विधायक कृष्णानंद राय के परिवार की तरफ से पैरवी करने वाले अधिवक्ता सुदिष्ट कुमार का कहना है कि अफजाल अंसारी सांसद के तौर पर शपथ नहीं ले सकते, क्योंकि शपथ भी सदन की कार्यवाही का हिस्सा होती है और सुप्रीम कोर्ट ने अफजाल अंसारी के सदन की कार्यवाही में शामिल होने पर रोक लगा रखी है। अफजाल अंसारी की शपथ अदालत की अवमानना होगी। अधिवक्ता सुदिष्ट कुमार के मुताबिक अगर अफजाल अंसारी तथ्यों को छिपाकर शपथ लेते हैं तो वह लोग उनके खिलाफ अदालत की अवमानना का मुकदमा दाखिल करेंगे। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय के परिवार के वकील सुदिष्ट कुमार के मुताबिक अफजाल अंसारी सदन की कार्रवाई में हिस्सा नहीं ले सकते यह साफ है, लेकिन अगर उन्हें शपथ लेनी है तो सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर पिछले साल 14 दिसंबर के ऑर्डर पर स्पष्टीकरण लेना होगा। वैसे अफजाल अंसारी के मामलों में पैरवी करने वाले वकीलों की दलील है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश 17वीं लोकसभा के लिए ही था और यह नए निर्वाचन पर लागू नहीं होगा। वैसे जुलाई या अगस्त महीने में अफजाल अंसारी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से आने वाला फैसला अगर उनके हक में नहीं आया तो उनकी लोकसभा की सदस्यता न सिर्फ निरस्त हो जाएगी बल्कि वह अगले 6 सालों के लिए कोई भी चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य भी हो जाएंगे। कुल मिलाकर अफजाल अंसारी का सियासी भविष्य इलाहाबाद हाईकोर्ट से जल्द आने वाले फैसले पर ही टिका हुआ है।

दिन ढलते ही सड़कों पर सजते हैं रेस्टोरेंट

तमाम विभाग बेखबर, एक्शन के नाम पर औपचारिकता

- तुराब नगर मे तो सड़कों से अतिक्रमण हटाने पहुंच गई निगम की टीम
- आरडीसी की बदतर हालात को लेकर निगम अधिकारियों ने झाड़ा पल्ला

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। सड़कें बिकती हैं बोलो खरीदोगे! जी हां, देखा जाए तो इस तरह की स्थिति गाजियाबाद की सडको पर देखी जा सकती है। आमतौर पर यदि किसी तरह की पार्किंग की व्यवस्था करनी होती है तो उसके लिए बाकायदा सुरक्षित स्थान सुनिश्चित किया जाता है, लेकिन गाजियाबाद में दूर तक भी ऐसा दिखाई नहीं पड रहा है। नगर निगम का खजाना भरने के नाम पर नगर निगम के द्वारा शहर की प्रमुख सड़कों को पार्किंग स्थल के तौर पर बेच दिया है। पार्किंग के कारोबार से जुडे लोगों के द्वारा किस स्थान पर वाहनों को खडे कराया जाता है, दूर तक भी देखने वाला कोई नहीं है।

मजे की बात ये है कि शहर का हाट कहे जाने वाले आरडीसी की हालत तो बद से बदतर हो गई है। कहने के लिए आरडीसी, रमते राम रोड तथा नवयुग मार्केट की ज्यादातर बिल्डिंग में बरामदों की व्यवस्था इस लिए की गई कि बरसात तथा तेज धूप के बीच लोग पैदल बरामदों से आवागमन कर सकें, लेकिन ज्यादातर कारोबारियों के द्वारा बरामदों पर ही कब्जा कर लिया गया है, बल्कि कुछ बिल्डिंग में बरामदों के बाहर रोड पर बाकायदा रेस्टोरेंट लगाए जाते है। शाम होते ही इन रेस्टोरेंट पर भीड़ लगने लगती है। ये स्थिति केवल आरडीसी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नवयुग मार्केट में भी दुकान के बाहर रेहडी लगायी जाती है, जहां लोगों को आमलेट आदि का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता है। दो दिन पहले नगर निगम की टीम तुराब नगर की सडकों से अतिक्रमण हटाने तो पहुंच गई, लेकिन उसे व्यापारियों के विरोध के चलते बैरंग लौट गई।

जानकारों की मानें तो बरामदों एवं रोड पर कब्जा किए कारोबारियों में तनिक भी नगर निगम का दूर तक भी खौफ नहीं है। जिस वक्त निगम की टीम पहुंचती है, कुछ देर के लिए समान को समेट दिया जाता है टीम के लौटते ही बरामदों तथा रोड पर कब्जा कर लिया जाता है। निगम अधिकारियों का तर्क है कि आरडीसी को लेकर अधीनस्थ अधिकारियों से जानकारी करने पर पता लगा कि आरडीसी अभी तक निगम के हेंडओवर नहीं है। आरडीसी की सड़कों तथा बरामदों को अतिक्रमण से मुक्त कराने का दायित्व जीडीए का है। जीडीए के अधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया है। देखा जाए तो नवयुग मार्केट, रमते राम रोड तथा आरडीसी विकसित किए जाने के दौरान ज्यादातर बिल्डिंग में व्यावसायिक गतिविधि को बढावा देने के कडी में बरामदों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

यदि रमते राम रोड का ही हाल देखे तो जिन लोगों के द्वारा रमते राम रोड पर दुकानें आरंभ की गई, ज्यादातर कारोबारियों के द्वारा न केवल बरामदों पर कब्जा कर लिया गया है, बल्कि बरामदों के बाहर भी रोड पर सामान को रखा जाता है। जिसका नतीजा ये होता है कि सडकों पर अक्सर जाम की समस्या बनी रहती है। यही समान स्थिति आरडीसी के भी है। आरडीसी में तो दिनों दिन हालात बद से बदतर होते जा रहे है। जानकार लोगों की मानें तो आरडीसी की सड़कों पर शाम के वक्त पैदल आवागमन करना भी चुनौती पूर्ण होता है।

जीडीए का प्रवर्तन विभाग भी दे रहा है अनाधिकृत गतिविधियों को बढ़ावा

देखा जाए तो जीडीए के प्रवर्तन विभाग के द्वारा भी अनाधिकृत गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। चाहे कविनगर हो या फिर शास्त्री नगर, चिरंजीव विहार अधिकांश कालॉनियों में जो रोड के साथ आवासीय भूखंड आवंटित किए गए, सभी में व्यावसायिक गतिविधियां देखी जा सकती है। यही समान स्थिति हिंडन पार के वैशाली, इंदिरापुरम में भी है, जहां पर पार्किंग के लिए प्रस्तावित स्थलों पर बिल्डरों के द्वारा बडे बडे शो रूम बना लिए गए है। बताते है कि इंदिरापुरम के नीति खंड प्रथम के जिस भूखंड संख्या 554 को जीडीए के अपर सचिव के दिशा निर्देशन में तीन बार सील किया गया, उसके शत प्रतिशत हिस्से पर व्यावसायिक बिल्डिंग का निर्माण कर लिया गया। ये ही खेल अब नीति खंड द्वितीय के भूखंड संख्या 444 पर भी देखा जा सकता है।

कैसे दूर हो समस्या

जानकारों लोगों की मानें तो बरामदों आदि पर बढती लीक से हटकर गतिविधियों पर उसी वक्त नियंत्रण संभव है, जब निगम टीम के द्वारा लगातार दिन के साथ दिन छिपने के बाद भी औचक तरीके से अभियान चलाया जाए। केवल एक दिन के अभियान से समस्या कदापि दूर होने वाली नहीं है। उन कारोबारियों पर भारी जुमार्ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिनके द्वारा दुकान के बाहर बरामदे तथा सडकों पर लीक से हटकर गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है।

100-बात की बात

अनिल यादव

सूर्या बुलेटिन

जिहादियों का भीड़ तंत्र सूबे की पुलिस पर भारी

लोकसभा चुनावों में इस बार यूपी में भाजपा की सीटें कम होने और विपक्ष की सीटें बढ़ने का प्रभाव नजर आने लगा है। प्रदेश में एक भीड़ तंत्र और विपक्ष के सामने पुलिस भी बौनी नजर आने लगी है। अलीगढ़ में घर में घुसे चोर की मौत के मामले में पुलिस की विपक्ष और जनसंख्या के दबाव में की गई कार्रवाई इसका प्रमाण है। योगीराज में पुलिस विपक्ष और मुसलमानों के दबाव में नजर आ रही है। जिसके कारण अलीगढ़ में रहने वाला हिन्दू समुदाय खुद को खतरे से घिरा मान रहा है। जिस इलाके में यह घटना हुई है वहां से लोग पलायन करने की तैयारी भी कर रहे हैं। घरों पर पलायन के बोर्ड भी लगा दिए गए हैं। दरअसल अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क के मामू-भांजा इलाके में औरंगजेब नाम का एक शख्स एक कपड़ा कारोबारी के घर में चोरी के इरादे से घुसा। इस दौरान उसे घर में आए मेहमान ने देख लिया, जिसके बाद औरंगजेब सीढ़ियों से भागने लगा और गिर कर घायल हो गया। शोर मचने पर आसपास के लोगों ने उसे घेर कर दबोच लिया। औरंगजेब का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वह चोरी के इरादे से घर में घुसने की बात को स्वीकार कर रहा है और माफी मांग रहा है। इलाके के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और मौके पर पहुंची पुलिस औरंगजेब को अस्पताल ले गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने औरंगजेब को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद औरंगजेब के परिजन बड़े संख्या में अपने समुदाय के लोगों के साथ अस्पताल पहुंच गए और हंगामा कर दिया। इसके साथ ही विपक्ष के कुछ नेता भी मौके पर पहुंच गए। मुसलमानों की भीड़ और विपक्षी नेताओं के दबाव में पुलिस ने कपड़ा कारोबारी समेत कई लोगों के खिलाफ आनन-फानन में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया और 6 लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया। पुलिस इस मामले में और लोगों की गिरफ्तारी की भी तैयारी कर रही है। विपक्षी नेताओं और मुसलमानों की भीड़ के दबाव में पुलिस यह भी भूल गई कि प्रदेश में योगी सरकार है और यह कोई मॉब लिंचिंग नहीं है। एक चोर चोरी के इरादे से घर में घुसा और खुद ही गिरकर घायल हो गया। इस मामले को मॉब लिंचिंग और हत्या का बनाना पुलिस के दबाव में आने वाली मानसिकता को साफ दशार्ता है। यदि पुलिस भी दबाव में काम करेगी तो प्रदेश में भीड़ तंत्र कायम होने में देर नहीं लगेगी। जिसकी जितनी संख्या भारी उसका झूठ सच पर उतना भारी जैसी स्थिति प्रदेश में बन जाएगी। इस घटना के बाद अलीगढ़ का हिन्दू समुदाय दहशत में है और इलाके से पलायन के लिए तैयारी कर रहा है। 100 बात की एक बात यह है कि जिहादियों का भीड़ तंत्र अभी भी पुलिस पर भारी है। हमे यह नहीं भूलना चाहिए की प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार है। फिर भी निर्दोष हिन्दुओं पर इस तरह का दबाव बनाया जा रहा है। विपक्ष की मांगों को लेकर एक बार फिर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश में कथित रूप से बिसाहड़ा कांड हुआ है, जिस प्रकार बिसाहड़ा में अखलाक के मरने पर नौकरी, फ्लैट और मुआवजा दिया गया था और निर्दोष दर्जनों हिन्दू युवाओं को जेल में ठूंस दिया गया था और अभी तक भी उनकी ठीक से सुनवाई नहीं की गई है। उसी प्रकार से योगी सरकार में भी निर्दोष हिन्दुओं पर कठोर कार्रवाई और विपक्ष की मांगों को पूर्ण किया जाना प्रतीत हो रहा है। यदि ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से पूरे प्रदेश की जनता में इसका बहुत गलत संदेश जाएगा। वैसे भी इस घटना को लेकर पूरे प्रदेश की जनता की निगाहें इस पर टिकी हुई है। इस घटना को उलट करके ही विचार कर लो जरा। यदि मुस्लिम इलाके में कोई हिन्दू चोरी के इरादे से घुसता और चोटिल होकर उसकी मौत हो जाती, तब भी क्या पुलिस का यही रवैया रहता। पुलिस उस मामले के भी मॉब लिंचिंग से जोड़कर देखती? पुलिस ऐसा नहीं करती क्योंकि हिन्दू एकजुट नहीं है, बिखरा हुआ है। जब तक अपने पर कोई आंच न आए हिन्दू घर से नहीं निकलता। हिन्दू बिखरा हुआ रहा तो वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश में भी कश्मीर जैसा ही हाल होगा।

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा

वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा जबलपुर एयरपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने न केवल अकबर की सेना को तीन बार परास्त किया, अपितु सुशासन और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी कई नवाचार करते हुए क्षेत्र को जनोन्मुखी शासन व्यवस्था प्रदान की। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल से होकर गुजरने वाला फ्लाईओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा। गढ़ में रानी दुर्गावती के नाम पर स्टेडियम के लिए भी भारत सरकार से अनुमति दिलाने का प्रयास भी राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। क्षेत्र के तालाबों व जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी प्राथमिकता से करेंगे। यह उनकी वीरता और पराक्रम को आदरांजलि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अकबर का दौर कठिनकाल था, एक ओर जहां महाराणा प्रताप उससे संघर्ष कर रहे थे, वहीं वनांचल में वीरांगना रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना से लोहा लिया। उन्होंने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन, उनके पराक्रम और सुशासन के लिए किए गए नवाचारों को देश-दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से इन्हें पाठ्यक्रम में शामिल करने के साथ-साथ इन विषयों पर सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगे। वीरांगना रानी दुर्गावती के विविध पक्षों को सामने लाने के लिए पांच लाख रुपये का पुरस्कार भी घोषित किया गया है। जबलपुर सहित प्रदेश में प्रतिमाह सांस्कृतिक एवं बौद्धिक आयोजन भी होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती के 500 वें जन्मशताब्दी वर्ष में उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता ज्ञापित करने के उद्देश्य से ही पहली कैबिनेट जबलपुर में आयोजित की गई। भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परम्पराओं के सम्मान व रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीरांगना रानी दुर्गावती जैसे व्यक्तित्वों के जीवन संघर्ष के अनछुए पहलुओं से जनसामान्य को परिचित कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में निरंतर कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई लोधी ऐतिहासिक रूप से नारी शक्ति की अभिव्यक्ति रही हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि युद्ध हो या शासन व्यवस्था महिलाएं कहीं भी पीछे नहीं हैं। इसी क्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय प्रतिभा का प्रकटीकरण करते हुए भारतीय महिलाओं की क्षमता से देश ही नहीं दुनिया को अवगत कराया है। राज्य सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है।

गोंडवाना साम्राज्य की महारानी अदम्य शौर्य, पराक्रम और स्वाभिमान की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को यहां नरई नाला स्थित समाधि स्थल पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा रानी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने समाधि स्थल पर रानी दुर्गावती अमर रहे के नारों के बीच रानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, पूर्व विधायक नन्दिनी मरावी, सुभाष तिवारी रानू भी थे।

रानी के सुपुत्र वीरनारायण को अर्पित की पुष्पांजलि

मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज के आराध्य बड़ादेव की पूजा अर्चना की। उन्होंने रानी की समाधि पर पूजा और श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने समाधि स्थल पर ही रानी दुर्गावती के सुपुत्र वीरनारायण को भी पुष्पांजलि अर्पित की।

कलाकारों को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

समाधि स्थल से प्रस्थान करते समय मुख्यमंत्री डॉ. यादव बैगा नर्तक दल के सदस्यों से आत्मीयता से मिले। उन्होंने दल में शामिल कलाकारों को पांच-पांच हजार रुपये देने की घोषणा भी की।

मप्र और छत्तीसगढ़ संयुक्त रूप से सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम करें आयोजित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पड़ौसी राज्य छत्तीसगढ़ की भौगोलिक सीमा के साथ-साथ दोनों राज्यों की साझा सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विरासत है। दोनों राज्यों की सरकारों द्वारा कुछ कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किए जा सकते हैं। व्यवस्था और प्रबंधन की दृष्टि से दो राज्य बने हैं, पर भावनात्मक रूप से हम एक हैं। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री अरुण साव के साथ आए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल को समत्व भवन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के जनप्रतिनिधि राष्ट्र निर्माण को समर्पित हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधियों से मध्यप्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए सुझाव और सहयोग का आव्हान करते हुए उन्हें अपने ज्ञान और कौशल का मध्य प्रदेश में भी विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को महाकालेश्वर के साथ-साथ उज्जैन स्थित भगवान श्रीकृष्ण परंपरा, देवी परंपरा के स्थानों एवं त्रिवेणी संग्रहालय के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संस्थापक शालिग्राम तोमर के भोपाल में आयोजित स्मृति समारोह में भाग लेने के लिए परिषद के लगभग 70 सदस्यों का दल छत्तीसगढ़ से भोपाल आया हुआ है। दल ने मुख्यमंत्री को उनके छात्र जीवन से संबंधित छायाचित्र भेंट किया। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के उप-मुख्यमंत्री साव को अंग वस्त्रम, पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

कैबिनेट बैठक में 45 प्रस्तावों पर लगी मुहर

2005 से पहले के सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी पुरानी पेंशन

» महिला, बच्चा और गैंगस्टर में नहीं मिलेगी अग्रिम जमानत

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश की केबिनेट बैठक में 45 प्रस्तावों पर सहमती की मुहर लग गई है। इनमें पुरानी पेंशन बहाली का प्रस्ताव भी शामिल है। राज्य सरकार ने पुरानी पेंशन को लेकर बड़ा प्रस्ताव मंजूर कर लिया है। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 28 मार्च 2005 से पहले नौकरियों के विज्ञापन की नौकरी वालो को पुरानी पेंशन लेने के ऑप्शन का प्रस्ताव पास कर दिया गया है। इसके अलावा 44 और प्रस्ताव पास किए गए हैं। यूपी कैबिनेट में प्रस्ताव पास हुआ है कि अयोध्या में टाटा संस द्वारा 650 करोड़ की लागत से मंदिर संग्रहालय बनाया जाएगा,100 करोड़ का अन्य विकास कार्य किया जाएगा, जिसमें पर्यटन विभाग 1 रुपए के लीज पर जमीन उपलब्ध करायेगा। इसके साथ ही शाकंभरी देवी धाम की बड़ी जमीन पर पर्यटन विभाग विकास कराएगा। पर्यटन विभाग के बंद चल रहे आश्रय गृह को पीपीपी मॉडल पर 30 साल की लीज पर दिया जाएगा।

चार आरक्यूएफ को अनुमोदित किया गया

जनपद लखनऊ, प्रयागराज और कपिलवस्तु में पीपीपी मॉडल पर हैली पोर्ट बनाया जायेगा। प्राचीन धरोहर को पीपीपी मॉडल पर रीयूज (बरसाना जल महल मथुरा, शुक्ला तालाब कानपुर) करने का प्रस्ताव पास किया गया है। मुख्यमंत्री टूरिज्म फैलोशिप का प्रस्ताव कैबिनेट में पास हुआ. मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना, जिसमें अभ्यर्थियों को टैबलेट उपलब्ध कराया जाएगा।

ऊर्जा विभाग के ये प्रस्ताव पास

विद्युत निरीक्षक के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रिसिटी एक्ट बनाया है उसी के क्रम में राज्य सरकार ने भी नियमावली बनाने के प्रस्ताव को पास किया गया है। गोरखपुर में परमहंस योगानंद की जन्मस्थली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा, इसके लिए पर्यटन विभाग को मुफ्त जमीन दी जाएगी।

नगर विकास के ये काम अनुमोदित

नगर निगम की धारा 1959 के आधार को नगर पालिका और नगर परिषद में भी इंनएक्ट करने के साथ नियमावली बनाये जाने का प्रस्ताव पास हुआ। अयोध्या कैंट एरिया में 351.40 करोड़ से सीवेज योजना बनाएं जाने का प्रस्ताव पास हुआ। अमृत योजना 1 में नगर निकाय के निकायांश में 50 प्रतिशत कम किये जाने का प्रस्ताव पास हुआ। साथ ही राज्यांश बढ़ाये जाने का प्रस्ताव पास हुआ। अमृत योजना 2 में नगर निकाय के निकायांश में कम किये जाने का प्रस्ताव पास हुआ। 11 यूनिट जो निष्क्रीय हो रही थी उनकी 871 एकड़ भूमि के एवज में 117 करोड़ 19 लाख में सेटलमेंट किये जाने का प्रस्ताव पास हुआ। नोएडा सेक्टर 142 में 11.56 किलोमीटर में मेट्रो लाइन के विस्तार का प्रस्ताव पास हुआ। सीएम की अगुवाई वाली बैठक में अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में आगरा और प्रयागराज में इंडस्ट्रियल नोड बन जाने का प्रस्ताव पास हुआ है। साथ ही पीजीआई में ग्रुप ए ग्रुप बी पैरामेडिकल ऑफिसर्स को एम्स के सामान्य पेशेंट केयर भत्ता दिए जाने का प्रस्ताव पास किया गया है। प्रमोट फर्म का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश कैबिनेट में पास हुआ है।

बढ़ेगी इन प्राधिकरणों की सीमा

योगी सरकार ने फैसला किया है कि वाराणसी , बरेली , मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के सीमा विस्तार होगा। साथ ही सेमसंग डिस्प्ले नोएडा को 207 करोड़ की कैपटल सब्सिडी देने का प्रस्ताव पास हुआ। 4 सेंटर ऑफ इंटेलिजेंस बनाए जाने का प्रस्ताव पास हुआ है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 9 कंपनी को एनओसी दिए जाने का प्रस्ताव पास हुआ।

मोरीगांव में 1500 परिवारों को सरकारी जमीन से हटाया

मोरीगांव (असम)। मोरीगांव जिले में वन विभाग और रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बसे लगभग 1500 परिवारों को आज हटा दिया गया। जागीरोड के सिलभंगा गांव में हुए इस अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा पूरी तरह हटा दिया गया। मोरीगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने कहा कि इस सिलसिले में 1500 परिवारों को नोटिस दिया गया था। इससे करीब 10 हजार लोग प्रभावित हुए हैं।

अभियान में अतिक्रमित भूमि को खाली करने के लिए रेलवे के बुलडोजर का उपयोग किया गया। रेलवे प्रशासन द्वारा एक सप्ताह के भीतर क्षेत्र को खाली करने का आदेश दिया गया था। लोगों द्वारा खाली नहीं करने के बाद प्रशासन द्वारा इसे तोड़ दिया गया। पर्याप्त अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया। जागीरोड का सिलभंगा लंबे समय से अवैध निर्माण और क्षेत्र में कथित आपराधिक गतिविधियों के कारण विवादों में रहा है। पहले अतिक्रमण हटाने की कोशिशों का जमकर विरोध किया गया था।

लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा अचानक बुलडोजर लाकर उनके घरों को तोड़ दिया गया। इसके लिए उन्हें कोई समय नहीं दिया गया। उन्होंने कहा की इस कार्रवाई के दौरान अमानवीय तरीके से लोगों के साथ पेश आया गया। इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के साथ ही जिला प्रशासन और रेल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

ईडी ने की पोंजी मामले में 37 करोड़ की जमा राशि और नकदी जब्त

नई दिल्ली। मुंबई के एक वित्तीय सलाहकार और उसकी कंपनी के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत ईडी ने नकदी तथा बैंक और डीमैट खातों में जमा करीब 37 करोड़ रुपये की राशि जब्त की है। सलाहकार पर पोंजी योजना के माध्यम से निवेशकों के साथ 600 करोड़ की ठगी का आरोप है। संघीय एजेंसी ने बताया कि अंबर दलाल और उसकी कंपनी रिट्ज कंसल्टेंसी सर्विसेज के खिलाफ 21 जून को शहर में छापेमारी करने के बाद यह कार्रवाई की गयी। मुंबई पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बाद ईडी ने धन शोधन मामले की जांच शुरू की है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट और उसकी कंपनी ने एक संदिग्ध पोंजी योजना के माध्यम से निवेशकों को भारी मुनाफे का लालच देकर उनसे रुपये ऐंठे।

टीएसपीसी नक्सली संगठन के सात नक्सली गिरफ्तार

लातेहार। एसपी अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर लातेहार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए नक्सली संगठन प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुत कमेटी (टीएसपीसी) के सात उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार उग्रवादियों में दीपक उरांव, इस्लाम अंसारी, रूपेश कुमार, सुजीत कुमार, रितेश कुमार रवि, संजय भुइयां (सभी लातेहार) और पलामू के पांकी थाना क्षेत्र निवासी अजय सिंह शामिल है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से दो देसी बंदूक और नक्सली पर्चा के अलावे अन्य सामान भी बरामद हुए हैं।

सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि लातेहार थाना क्षेत्र के आसपास पिछले कुछ दिनों से टीएसपीसी संगठन के नाम पर व्यवसाईयों, भट्ठा संचालकों से रंगदारी की मांग की जा रही थी। कुछ व्यवसाईयों के द्वारा जब इसकी शिकायत पुलिस से की गई तो पुलिस की टीम उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ कर दी। इसी बीच गुप्त सूचना मिली कि लातेहार थाना क्षेत्र के तिकूलियाटांड़ के पास कुछ उग्रवादी एकत्रित होकर किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

सूचना मिलने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने छापामारी की और घटनास्थल से सात उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों में दीपक उरांव और इस्लाम अंसारी गिरोह का सरगना था। दोनों कुछ दिन पूर्व ही जेल से निकले थे और लातेहार जिले में टीएसपीसी संगठन को फिर से सक्रिय बनाने का प्रयास कर रहे थे। परंतु अपनी योजना में सफल होने से पूर्व ही सभी उग्रवादी गिरफ्तार हो गए। एसपी ने बताया कि उग्रवादियों की गिरफ्तारी में पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के अलावे सब इंस्पेक्टर रंजन कुमार पासवान, धर्मवीर सिंह, कुबेर प्रसाद देव, रविंद्र महली, उमापद महतो समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

2 लाख के इनामी 2 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सल संगठन में सक्रिय दो नक्सलियों ने सोमवार को नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों में प्रकाश उर्फ पोड़ियाम देवा पिता हुंगा (लखापाल पंचायत मिलिशिया कमांड इनचीप इनाम एक लाख) निवासी तोंगगुड़ा एर्रापारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा एवं माड़वी हांदा पिता सुक्का (लखापाल पंचायत डीएकेएमएस अध्यक्ष इनाम एक लाख) निवासी तोंगगुड़ा एर्रापारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा शामिल है। इस मौके पर भास्कर भट्टाचार्य, उप कमांडेंट 2 री वाहिनी सीआरपीएफ, सपन चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स/डीआरजी सुकमा एवं निरीक्षक सुजीत कुमार, 223 वाहिनी सीआरपीएफ उपस्थित रहे। दोनों आत्मसमर्पित नक्सलियों को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में नक्सल सेल की टीम एवं 223 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का प्रयास रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों आत्मसमर्पित नक्सली नक्सल संगठन में विगत 14-15 वर्षों से जुड़कर विभिन्न नक्सली गतिविधियों जैसे पुलिस गस्त पार्टी की रेकी कर हमला करना, पुलिस पार्टी के आने-जाने वाले मार्गो में स्पाईक लगाना, मुख्य मार्गों को खोद कर अवरुद्ध करना, शासन-प्रशासन के विरुद्ध में नक्सली पर्चा-पाम्पलेट लगाना आदि घटनाओं में शामिल रहे है।

मंत्री सिंघल ने गुवाहाटी के कृत्रिम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

गुवाहाटी। राज्य के आवास एवं शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने जिला आयुक्त, गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग आदि के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न हिस्सों में कृत्रिम बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मंत्री ने डाउन टाउन, सरूमटरिया, ऑयल इंडिया पाइपलाइन, आयकर कार्यालय के पास के क्षेत्र, वशिष्ठ चारिआली में गुरुद्वारे के पास के क्षेत्र, दिसपुर लास्टगेट, गणेशगुड़ी गणेश मंदिर के सामने के क्षेत्र आदि का निरीक्षण किया।

पुंछ-राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकी मौजूद, सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली। केंद्र में एनडीए सरकार बनने के दिन से 72 घंटे के भीतर जम्मू-कश्मीर में लगातार तीन आतंकी हमले होने के बाद खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पिछले एक पखवाड़े में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ों में 4 आतंकी मार गिराये गए हैं। बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच एक खुफिया रिपोर्ट ने चौंका दिया है कि पुंछ-राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तानी आतंकी एक बार फिर से सीमा लांघने की फिराक में हैं। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सुरक्षा बलों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। राष्ट्रपति भवन में जब 9 जून को भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच रहे थे, उसी समय जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों को लेकर वैष्णो देवी जा रही एक बस पर घात लगाकर हमला किया था। ड्राइवर को गोली लगने के कारण बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी। इस आतंकी हमले में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसी कड़ी में आतंकवादियों ने 11 और 12 जून को चत्तरगल्ला और कोटा टॉप इलाके में सेना और पुलिस की संयुक्त जांच चौकी पर हमला किया था, जिसमें छह सैन्यकर्मी और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी हमले में इजाफा हुआ है। आतंकी सीमा पार से घुसपैठ कर यहां दहशत का माहौल बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन सेना के चौकस जवान और सुरक्षा बल आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर दे रहे हैं।

» खुफिया रिपोर्ट में खुलासा, पाकिस्तानी आतंकी फिर से सीमा लांघने की फिराक में

» भारतीय सेना ने 200 बख्तरबंद वाहनों के साथ अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया

अदालत ने प्रज्वल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। कर्नाटक की एक अदालत ने कई महिलाओं के साथ बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत अवधि सोमवार को समाप्त होने के बाद प्रज्वल को अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें आठ जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बीच, रेवन्ना की जमानत अर्जी अतिरिक्त दिवानी एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष आई और अदालत ने 26 जून के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया।

नड्डा ने तमिलनाडु जहरीली शराब हादसे पर खरगे को लिखा पत्र, कांग्रेस की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भाजपा के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर तमिलनाडु में हाल ही में हुए जहरीली शराब हादसे पर उनकी पार्टी की 'उदासीन चुप्पी' पर सवाल उठाया। नड्डा ने खरगे को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु जहरीली शराब त्रासदी पूरी तरह से मानव जनित आपदा है और अगर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन की सरकार और अवैध शराब माफियाओं के बीच सांठगांठ नहीं होती तो शायद 56 लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

नड्डा ने कहा कि तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी के बाद कल्लाकुरिची के करुणापुरम गांव में जलती चिताओं की भयावह तस्वीरों ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि खरगे, जैसा कि आप जानते हैं कि करुणापुरम में अनुसूचित जाति की आबादी काफी अधिक है, जो तमिलनाडु में गरीबी और भेदभाव के कारण कई चुनौतियों का सामना करते हैं। मैं हैरान हूं कि जब इतनी बड़ी आपदा आई है तो आपके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने इस पर चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठने की आवश्यकता है और एससी, एसटी समुदाय का कल्याण और सुरक्षा भी एक ऐसा ही मुद्दा है।

नड्डा ने खरगे से कहा कि वह तमिलनाडु की द्रमुक सरकार पर सीबीआई जांच कराने और राज्य के मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री एस मुथुसामी को उनके पद से तत्काल हटाने का अनुरोध करें। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ितों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को 'उचित' तरीके से बढ़ाया जाए ताकि इन परिवारों को पर्याप्त सहयोग मिल सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि खरगे आज समय है कि 'न्याय' को लेकर कही गई बातों पर सही मायने में अमल किया जाए न कि इसे बस एक आकर्षक चुनावी नारे तक ही सीमित किया जाए। आज, तमिलनाडु के लोग और पूरा अनुसूचित जाति समुदाय कांग्रेस पार्टी और विशेष रूप से राहुल और इंडिया गठबंधन के नेताओं के दोहरे मापदंड देख रहा है।

उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि अचानक संविधान और अनुसूचित जाति/ओबीसी समुदाय के कल्याण एवं अधिकारों को सुनिश्चित करने के बारे में राहुल गांधी के सभी पवित्र उपदेश बंद क्यों हो गए हैं? उन्होंने कहा कि खरगे, कार्रवाई करने का समय आ गया है। खोखले शब्द, फर्जी बयानबाजी और खोखले वादों से द्रमुक-इंडिया गठबंधन सरकार अनुसूचित जाति के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति न्याय नहीं कर पाएगी। भाजपा प्रमुख ने खरगे से राहुल और प्रियंका को पीड़ितों के परिवारों से मिलने या कम से कम इस मुद्दे पर आवाज उठाने का साहस जुटाने का आग्रह किया।

मप्र में पहली बार हुआ अफ्रीकन जेब्रा का जन्म

इंदौर। मध्य प्रदेश में पहली बार अफ्रीकन जेब्रा का जन्म हुआ है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय (चिड़ियाघर) में रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे अफ्रीकन जेब्रा ने जन्म लिया। एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जामनगर से पांच माह पहले अफ्रीकन जेब्रा का जोड़ा लाया गया था। चिड़ियाघर के अधिकारियों के अनुसार बेबी जेब्रा और मां दोनों स्वस्थ हैं। पर्यटक जल्द ही इसके दीदार कर सकेंगे।

चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार पूरे प्रदेश में जेब्रा सिर्फ इंदौर जू में है, जिनकी संख्या बढ़कर अब तीन हो गई है। जन्म लेने के कुछ ही घंटे बाद बेबी जेब्रा पैरों पर खड़ा हो गया और चहलकदमी करने लगा। इंदौर जू को यह जेब्रा का जोड़ा तीन राज्यों में तीन साल तक कोशिश करने के बाद मिला था। यह गुजरात के जामनगर से मिला था। अब इस जोड़े के बदले इंदौर से व्हाइट टाइगर जामनगर भेजा जाएगा। चिड़ियाघर के क्यूरेटर निहार पारुलेकर ने बताया कि अफ्रीकन जेब्रा के जोड़े ने रविवार रात करीब साढ़े दस बजे एक बच्चे को जन्म दिया है। मादा और बेबी जेब्रा दोनों स्वस्थ हैं। वह रातभर मां के ही पास रहा और सोमवार सुबह तक धीरे-धीरे पैरों पर खड़े होकर चहलकदमी करने लगा है।

बताया गया है कि इंदौर चिड़ियाघर प्रबंधन ने इंदौर में जेब्रा का जोड़ा लाने के लिए लगातार प्रयास किए। अफ्रीकन जेब्रा के लिए मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोंसले चिड़ियाघर को प्रस्ताव भेजा था। साथ ही सेंट्रल जू अथारिटी से एनिमल एक्सचेंज के तहत अनुमति चाही थी। वहां से तब हरी झंडी मिल गई थी।

इसके बाद अफ्रीकन जेब्रा को मुंबई चिड़ियाघर से इंदौर भेजने की तैयारी पूरी हो चुकी थी लेकिन महाराष्ट्र में फाइनल निर्णय लेने में दिक्कत आ गई और मामला अटक गया था। इसके चलते कर्नाटक और गुजरात से जेब्रा मांगा गया। अंततः गुजरात से यह सहमति बनी। पांच महीने पहले ही जेब्रा का जोड़ा इंदौर आ गया। बदले में व्हाइट टाइगर जामनगर-गुजरात को देना तय हुआ है। अब जल्द ही इंदौर से व्हाइट टाइगर जामनगर भेजा जाएगा।

गौरतलब है कि 52 एकड़ में फैले इंदौर के चिड़ियाघर में 1300 से ज्यादा वन्यप्राणी हैं। इनमें नौ शेर, 11 बाघ और चार तेंदुए शामिल हैं। यहां 10 शावकों ने बीते 11 महीने में जन्म लिया है। हिरण और सियार की संख्या पचास से अधिक है। यहां स्नेक और बर्ड हाउस भी बना है, जो यहां आने वाले लोगों को काफी आकर्षित कर रहे हैं। बर्ड हाउस में 40 से ज्यादा प्रजातियों के पक्षी हैं। ग्रीन विग मकाऊ, ब्लू एड गोल्ड मकाऊ, कैपडोवे, लारी, उड़ने वाली गिलहरी, ग्लाइडर सहित कई पक्षी शामिल हैं।

इंदौर जू में कई बार एनिमल एक्सचेंज के तहत जानवरों को लाया गया है। यहां 80 से ज्यादा प्रजातियों के 245 से ज्यादा विदेशी पक्षी और जानवर आए हैं। इनमें सांप, मकाऊ, इगुआना, कछुए, पाकेट मंकी, फिनएच, कानोट, लारी सहित अन्य पक्षी शामिल हैं।

इंदौर के चिड़ियाघर में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पांच माह पहले जामनगर से लाया गया था जेब्रा का जोड़ा

पारिवारिक विवाद में तीन लोगों की हत्या, पिता को तलवार से और बेटों को बीच सड़क पर गोलियां मारीं

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह में सोमवार सुबह पारिवारिक विवाद में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। होमगार्ड जवान तलवार मारकर और उसके दो बेटों की बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक और आरोपित एक ही परिवार के हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गए। जानकारी लगते ही घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा सहित थाना प्रभारी एवं अनेक पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच गया। मामला जिले के देहात थाना क्षेत्र के बांसा तारखेड़ा गांव का है।

इस संबंध में एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि होमगार्ड जवान रमेश विश्वकर्मा का उसके ही परिवार के लोगों से विवाद चल रहा था। करीब एक महीने पहले भी उनके बीच विवाद हुआ था। आरोपियों ने सोमवार को रमेश पर तलवारों से हमला कर दिया। घटना के वक्त रमेश के दो बेटे उमेश और विक्की दमोह से बाइक से लौट रहे थे। आरोपितों ने उनको बीच सड़क पर गोली मार दी। दोनों की सड़क पर ही मौत हो गई। हत्या में शामिल अपराधी घटना के बाद फरार हो गए। घटना की जानकारी लगते घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा सहित थाना प्रभारी एवं अनेक पुलिस बल पहुंच गया।

पानी के बंटवारे को लेकर हुआ हत्याकांड

आम के बाग के ठेकेदार ने बंटवारे के तहत नहीं दिया था पानी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। प्रशासनिक लापरवाही के चलते एनसीआर में पानी हत्याओं का कारण बन रहा है। पानी के बंटवारे को लेकर अब गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में नौबत हत्या तक पहुंच गई है।

निवाड़ी के गांव खिंदौड़ा में पानी के विवाद में एक बाप-बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई और दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। विवाद आम के बाग के लिए पानी के बंटवारे का था, लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लापरवाह बन रहे, जिसके चलते विवाद बढ़कर हत्या तक पहुंच गया।

खेत में पानी लगाने को लेकर पिता-पुत्र की हत्या में पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। गोलीकांड से लगभग 4 घंटे पहले दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। गाली-गलौज के साथ हाथापाई भी हुई। सूचना पुलिस तक पहुंची, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई। ग्रामीणों की मानें तो पहले भी कई बार खेत में पानी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। हर बार समझौता कराकर पुलिस मामला शांत

- घटना से चार घंटे पहले भी हुआ था विवाद, पुलिस रही निष्क्रिय
- अब भी पुलिस और प्रशासन पानी के मुद्दे पर नहीं कर रहा कोई कार्रवाई

करा देती थी। 21 जून की रात 11 बजे निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव खिंदौड़ा में रसूलपुर धौलड़ी जिला मेरठ निवासी पप्पू और उनके बेटे राजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पप्पू के दूसरे पुत्र चांद को भी गोली लगी, जो मेरठ के अस्पताल में भर्ती है। मामले में 7 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। इसमें पुलिस ने तीन आरोपियों सुधीर त्यागी, सुधीर और बंटी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी दीपक त्यागी की निशानदेही पर पुलिस ने रविवार को हत्या में प्रयुक्त पिस्टल को खिंदौड़ा-धौलड़ी रजवाहा पटरी मार्ग स्थित एक खेत से बरामद किया है। यह पिस्टल दीपक ने काफी समय खरीदी थी। अन्य फरार चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

पहले भी कई बार हुआ विवाद

गांव खिंदौड़ा के ग्रामीणों की मानें तो मृतक पप्पू और सुधीर के बीच खेत में पानी करने को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका था। कई बार मामला चौकी से लेकर थाने तक पहुंचा था, लेकिन हर बार पुलिस ने समझौता कराकर निपटारा कर दिया था। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करना गंवारा नहीं समझा। मुचलका पाबंद, शांतिभंग अन्य किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। इतना ही नहीं गोलीकांड शुक्रवार रात 11 बजे हुआ। इससे पहले शाम में 7 बजे दोनों पक्षों में गाली-गलौज और हाथापाई हुई थी। आरोपियों ने पप्पू और उसके पुत्रों को जान से मारने की धमकी भी दी थी। सूत्रों का कहना है कि यह विवाद भी पुलिस तक पहुंचा था। इसके बाद भी पुलिस नहीं चेती। हालांकि पुलिस विवाद की सूचना होने से इनकार कर रही है। ऐसे में पुलिस के मुखबिर तंत्र पर सवाल उठ रहे हैं।

एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि दीपक ने गोली चलाना कुबूल किया। उसने बताया कि गोली पिस्टल से मारी थी। इसके बाद पिस्टल को खिंदौड़ा में झाड़ी में छिपा दिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अवैध पिस्टल बरामद कर ली है। पप्पू के भाई बिलाल की ओर से दर्ज कराए दोहरे हत्याकांड के मुकदमे में सात लोगों को नामजद कराया गया है। खिंदौड़ा गांव के ही निवासी चार आरोपी दीपक, मोहित उर्फ बादशाह, लवली और आसिफ की तलाश चल रही है। इनमें बादशाह के खिलाफ पहले से ही लूट और हत्या का एक केस दर्ज है। वह इसमें जेल गया था। उसके बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस की सजगता से नहीं बना हिन्दू-मुस्लिम विवाद

खिंदौड़ा कांड में भी बाग को पानी दिए जाने को लेकर ही दो पक्षों में विवाद था। हालांकि इस विवाद को हिन्दू-मुस्लिम से जोड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने इस प्रयास को विफल कर दिया। आसपास के दोनों आम के बागों को उनके मालिकों ने ठेके पर दे रखा है, लेकिन पानी के लिए ठेकेदार मालिक से ही गुहार लगाते हैं। अब इस मामले को हिन्दू-मुस्लिम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि दोनों ठेकेदार मुस्लिम समाज से ही हैं और आरोपी पक्ष में भी एक मुस्लिम है।

मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ली चुटकी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर चुटकी ली है। इसके अलावा उन्होंने यूपी स्थित रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के बयान का भी जिक्र किया। हालांकि उन्होंने अपने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिखा।

उन्होंने लिखा है कि सांसद ह्वपार्टीह्व के अध्यक्ष को रिपोर्ट किया करते हैं, लेकिन कांग्रेस की महानता देखिये कि माननीय अध्यक्ष स्वयं अपने सांसद को रिपोर्ट कर के बताते हैं कि उन्हें किस का फोन आया और किस का फोन नहीं आया। लोकसभा स्पीकर पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को फिर से अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने के.सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। दोनों नेताओं का अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव दाखिल हो चुका है। ऐसे में यह तय माना जा रहा है इस बार लोकसभा में अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को वोटिंग होने जा रही है। हालांकि सदन में संख्या बल की बात करें तो एनडीए गठबंधन के

उम्मीदवार के तौर पर ओम बिरला का आसानी से चुनाव जीतना तय माना जा रहा है। नई सरकार के गठन के बाद लोकसभा में सरकार और विपक्ष के बीच यह पहला शक्ति प्रदर्शन होने जा रहा है। इससे पहले, मंगलवार को तेजी से चले राजनीतिक घटनाक्रम में सत्तारूढ़ भाजपा ने सहयोगी दलों के साथ विचार-विमर्श के बाद लोकसभा के नए अध्यक्ष के उम्मीदवार के तौर पर ओम बिरला का नाम फाइनल कर दिया। मंगलवार को ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले ओम बिरला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में यह मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यालय में ओम बिरला, अमित शाह और जेपी नड्डा के साथ उच्चस्तरीय बैठक भी की। लोकसभा के नए अध्यक्ष के उम्मीदवार के नामांकन पत्र को भरने की औपचारिक प्रक्रिया के लिए संसद भवन स्थित राजनाथ सिंह के कार्यकाल में एनडीए नेताओं राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, चिराग पासवान, एचडी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, अनुप्रिया पटेल और अन्य कई सहयोगी दलों के नेताओं की बैठक हुई। सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पीकर के पद पर सर्वसम्मति बनाने के लिए विपक्षी दलों से बातचीत की. विपक्षी दलों की तरफ से कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और डीएमके के वरिष्ठ नेता टीआर बालू ने भी राजनाथ सिंह से मुलाकात की। लेकिन, राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद बाहर निकले कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार डिप्टी स्पीकर पद के लिए बाद में विचार करने की बात कह रही है जबकि वह स्पीकर पद के नामांकन फार्म पर अभी हस्ताक्षर करने को कह रही है। विपक्ष को यह मंजूर नहीं है और वे लोकसभा स्पीकर के लिए अपना उम्मीदवार उतारेंगे। विपक्ष डिप्टी स्पीकर के पद की मांग पर अड़ा हुआ है, लेकिन सरकार की तरफ से यह कहा गया कि उसने विपक्ष को यह प्रस्ताव दिया था कि स्पीकर का चुनाव सर्वसम्मति से हो जाए और जब भी डिप्टी स्पीकर के पद का मामला सामने आएगा, सरकार उनसे बातचीत करेगी। लेकिन, विपक्षी दलों ने इसे ठुकरा दिया।

हाइटेक टाउनशिप में जल व सीवरेज कर वसूली में अटका पेंच

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। हाइटेक टाउनशिप का नगर निगम को हस्तांतरण होने तक नगर निगम द्वारा गृहकर, जलकर व सीवरेज कर आदि की वसूली को लेकर मंथन तेज हो गया है। बैठक में सभी ने अपना-अपना पक्ष रखा। कुछ अधिकारियों ने हाइटेक सिटी पर टैक्स लगाने का समर्थन किया। वहीं, कुछ ने कहा कि अगर निगम हाइटेक सिटी के निवासियों से टैक्स वसूलता है तो निवासियों पर रखरखाव शुल्क के अलावा यह दोहरी मार होगी। फिलहाल मंथन के बाद तय हुआ कि फिर से पूरे मामले में विस्तार से नियम-कानून को देखा जाएगा। उसी के बाद मामले में कोई निर्णय लिया जाएगा। बैठक में उपरोक्त विषय पर नई नीति बनाने की बात कही गई।

हाइटेक सिटी योजना के तहत जिले में विकसित हुई वेव सिटी व सनसिटी पर हाउस, वाटर व सीवर टैक्स लगाने को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में कर वसूली के लिए नई पॉलिसी बनाने का निर्णय किया गया है ।नगर निगम निगम वेव सिटी व सनसिटी के निवासियों से हाउस, वाटर व सीवर कर वसूले या नहीं, इस मामले में निर्णय लेने के लिए पिछले

- शासन के द्वारा नई पॉलिसी बनाने का लिया फैसला

दिनों शासन की उच्च स्तरीय समिति ने छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। विशेष सचिव शहरी एवं आवास विभाग को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया था। इस कमेटी में नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव के अलावा गाजियाबाद और लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के अलावा दोनों महानगरों के नगर आयुक्त और निदेशक आवास बंधु को शामिल हैं। निगम का तर्क है कि एक्ट में किसी कॉलोनी के निर्माण के सात साल बाद निगम को टैक्स वसूलने का अधिकार हो जाता है।

हाईटेक टाउनशिप को इससे अधिक का समय हो चुका है। इसलिए यहां से टैक्स वसूलने का अधिकार मिलना चाहिए।हाईटेक टाउनशिप के बिल्डर का तर्क है कि इस संबंध में स्पष्ट शासनादेश है कि जब तक हाईटेक टाउनशिप निगम को हैंडओवर नहीं होती है तब तक टैक्स नहीं वसूला जाएगा।

मेयर सुनीता दयाल ने शासन को पत्र लिखकर कहा कि साल 1997 में आए शासनादेश के क्रम में यदि किसी भी प्रकार की योजना हो यदि वह सात साल तक हैंडओवर नहीं होती है तो वहां पर टैक्स वसूलने का निगम को अधिकार है।

हाईटेक टाउनशिप योजना में भी इस शासनादेश को लागू किए जाने की मांग की गई है। मेयर के इस पत्र के बाद शासन की तरफ इस प्रकरण को गंभीरता से लिया गया है। गाजियाबाद से डीएम इंद्र विक्रम सिंह व जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए।

अस्पताल स्टाफ के दुर्व्यवहार से आहत होकर छात्रा ने की थी खुदकुशी !

स्वास्थ्य विभाग आरोपी डॉक्टर और स्टाफ को बचाने में जुटा

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। मोदीनगर में दुष्कर्म पीड़ित 13 साल की छात्र के आत्महत्या के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने तीन दिन बाद भी छात्रा के साथ दुर्व्यवहार करने वाली महिला डॉक्टर और स्टाफ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। हालांकि मामले को लेकर सीएमओ ने जांच कमिटी गठित करने और तीन दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश जरूर दिए हैं। आरोप है कि पुलिस के साथ 18 जून मंगलवार की रात मेडिकल के लिए कंबाइंड अस्पताल पहुंची डरी सहमी छात्रा के साथ अस्पताल से स्टाफ ने दुर्व्यवहार किया और ड्यूटी पर मौजूद महिला डॉक्टर ने रात में मेडिकल करने से इनकार कर दिया। 19 जून बुधवार को भी दोबारा मेडिकल के लिए अस्पताल पहुंचने पर छात्रा के साथ स्टाफ ने दुर्व्यवहार किया। माना जा है कि इसी से आहत होकर घर पहुंचने के बाद छात्रा ने आत्महत्या जैसे कदम उठाया। अब अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहा हैं और महिला डॉक्टर से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मोदीनगर की एक कॉलोनी में बुधवार शाम को दुष्कर्म पीडिता 13 वर्षीय छात्रा ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। छात्रा की कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी हिमांशु सोनी के साथ इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती हो गई थी। सोमवार शाम को उसने उपने दोस्त के ओयो होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद छात्रा गुमसुम रहने पर परिजनों को शक हुआ तो उन्हें छात्रा से पूछताछ में घटना का पता चला। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके छात्रा को मेडिकल के लिए पहले सीएचसी भेजा। जहां से छात्रा को संजय नगर स्थित कंबाइंड अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। आरोप है कि मंगलवार रात को ड्यूटी पर एलएमओ डॉ. रिन्नी ने छात्रा का मेडिकल नहीं किया और अगले दिन सुबह मेडिकल के लिए बुलाया। अगले दिन दो बजे छात्रा का मेडिकल हुआ और बुधवार शाम दुष्कर्म पीड़ित छात्रा ने खुदकुशी कर ली। इस मामले में पुलिस ने दुष्कर्मा के आरोपी समेत होटल संचालकों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

मेडिकल के दौरान छात्रा से बदसलूकी

छात्रा के खुदकुशी करने के बाद पुलिस विभाग में भी हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मंगलवार रात को छात्रा का मेडिकल नहीं हुआ और उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और बुधवार को भी मेडिकल के दौरान पैरामेडिकल स्टाफ ने छात्रा के साथ दुर्व्यवहार किया था। जिससे वह डिप्रेशन में आ गई और घर पहुंचते ही उसने जान देने जैसा कदम उठाया। पुलिस की जांच में पता चला है कि मेडिकल के समय लाल कपड़े पहनी पैरामेडिकल स्टाफ ने छात्रा को खरी-खोटी सुनाई थी। इससे छात्रा परेशान हो गई थी। इसकी सूचना पुलिस ने सीएमओ को दी है। सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर नें बताया कि पुलिस के आरोपों की जांच कराई जा रही है। इसके लिए मेडिकल के दौरान के वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कंबाइंड अस्पताल प्रबंधन को जांच कमेटी बनाकर तीन दिन में जांच रिपोर्ट देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही जांच रिपोर्ट और कार्रवाई की रिपोर्ट शासन को भी भेजी जाएगी।

डॉ. भवतोष शंखधर, सीएमओ, गाजियाबाद

आरोपियों को बचाने का हो रहा प्रयास

इस मामले में 22 जून शनिवार तक भी स्वास्थ्य विभाग जांच पूरी नहीं कर सका था और न ही आरोपी डॉ. रिन्नी ने रात में मेडिकल नहीं करने को लेकर स्पष्टीकरण दिया था। वहीं, सीसीटीवी फुटेज को लेकर भी कंबाइंड अस्पताल प्रबंधन और सीएमओ कार्यालय से भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारियों की लापरवाही से लगता है कि मामले में फंसी महिला डॉक्टर और छात्रा से दुर्व्यवहार करने वाले स्टाफ को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वैसे भी सरकारी अस्पतालों में मरीजों और पीड़ितों के साथ स्टाफ और डॉक्टर अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं। पिछले दिनों एमएमजी अस्पताल में स्टाफ के दुर्व्यवहार और लापरवाही के कारण एक 16 साल की किशोरी की मौत हो गई थी। मामले में अस्पताल प्रबंधन ने जांच के बाद आरोपी स्टाफ को क्लीन चिट दे दी थी। जिसके बाद किशोरी मां ने सीएम पोर्टल पर शिकायत करके न्याय की गुहार लगाई है।

उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवनों को लीज पर दिया जाना होगा घातक

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने का किया गया आग्रह

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। नगर निगम के द्वारा बनाए गए उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवनों को रखरखाव के लिए खुली बोली के माध्यम से लीज पर दिए जाने के कदम का विरोध तेज हो गया है। समाज के लोगों ने लेटर के माध्यम से मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। वहीं बीजेपी के पूर्व पार्षद ने भी उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवन को लीज पर दिए जाने के कदम को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

उत्तराखंड समाज समिति के अध्यक्ष सच्चिदानंद शर्मा ने एक लेटर के माध्यम से कहा कि भारत एक

विभिन्न लोक कलाओं एवं संस्कृति का देश है। जिसमें प्रत्येक प्रांत की अपनी बोली,भाषा,रीति रिवाज, वेशभूषा, खान,पान, रहन सहन का अपना महत्व है। प्रदेश सरकार के द्वारा उत्तराखंड एवं पूर्वांचल मूल के लोगों के लिए सांस्कृतिक धरोहर के रूप में दो भवनों की सौगात दी,दोनों भवनों का निर्माण धार्मिक भवनों का सम्मान करते हुए आराध्य देव बद्री नाथ धाम एवं बाबा विश्वनाथ धाम के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए किया गया। लेटर में ये भी उल्लेख किया गया कि राजस्थान के पुष्कर धाम में राजस्थान सरकार के द्वारा उत्तराखंड आश्रम का निर्माण किया गया। इसका संचालन उत्तराखंड की सामाजिक संस्था के द्वारा किया जा रहा है,लेकिन नगर निगम के द्वारा जो उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवन बनाए उनके रखरखाव का दायित्व खुली बोली के माध्यम से दिया जा रहा है,जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं बीजेपी के पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी ने कहा कि निगम के द्वारा खुली बोली के माध्यम से दोनों भवनों के रखरखाव का दायित्व दिया जाना बेहद दुर्भाग्य पूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस उद्देश्य से उत्तरांचल एवं पूर्वांचल भवनों का निर्माण किया गया,उसे भी व्यावसायिक तरीके से दिया जाना दुखद है।

घर में घुसे चोर को दबोचा तो पुलिस ने कर लिया गिरफ्तार

अलीगढ़ पुलिस की मुसलमानों के दबाव में एकतरफा कार्रवाई

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। यदि आपके घर में कोई चोरी करने के लिए घुसे और आप उसे देख लें तो भी उसे चोरी करके भाग जाने देना, वरना आपके साथ भी वही होगा जो अलीगढ़ में कपड़ा कारोबारी के साथ हुआ है। अलीगढ़ में चोरी के इरादे से घर घुसे मुस्लिम युवक की मकान मालिक और कॉलोनी के लोगों ने पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जिसके बाद पुलिस ने मारपीट करने वाले 6 लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब मुसलमानों ने अस्पताल पहुंचकर हंगामा किया। मुसलमानों के प्रदर्शन के दबाव में पुलिस ने बिना जांच पड़ताल किए 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अब इस गिरफ्तारी के विरोध में व्यापारियों ने भी बंद बुलाया है और अपने घरों पर पलायन के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। इलाके में तनाव का माहौल है और भारी पुलिस बल तैनात है।

अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क के मामू-भांजा इलाके में औरंगजेब एख कपड़ा कारोबारी के घर में चोरी के इरादे से घुसा। मकान मालिक ने उसे देखकर शोर मचाया तो वह भागने

- इलाके में रहने वाले हिन्दू पलायन के लिए हुए मजबूर

लगा और सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गया। इस दौरान आसपास के लोग भी जमा हो गए। लोगों ने चोर को दबोचकर उसकी पिटाई कर दी और पुलिस को सूचना दी। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें पकड़ा गया युवक चोरी के इरादे से घर में घुसने की बात कबूल कर रहा है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद इलाके के मुसलमान आक्रोशित हो गए। उनके द्वारा भारी मात्रा में जिला मलखान सिंह अस्पताल पहुंचकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मुस्लिमों के प्रदर्शन से दबाव में आकर पुलिस ने आनन फानन में उस व्यापारी जिसके घर में औरंगजेब चोरी करने के इरादे से घुसा था उसे और आसपास के 6 लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा 6 लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदुओं ने मामू भांजा बाजार बंद कर दिया। व्यापारियों ने कहा कि पुलिस ने व्यापारियों की गिरफ्तारी गलत तरीके से की है। दूसरी तरफ शव का पोस्टमार्टम हो चुका है। उसके घर पर भारी संख्या में लोग मौजूद हैं। तनाव को देखते हुए ऊपरकोट, सब्जी मंडी बाजार इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मामू भांजा राधा मोहन मन्दिर के बराबर वाली गली में कई घरों पर पलायन के पोस्टर लगे देखे गए।

व्यापारियों ने लगाया आरोप

मामले में कपड़ा कारोबारी समेत 6 लोगों को हत्या के मामले में गिरफ्तार किए जाने से अलीगढ़ के व्यापारी पुलिस से नाराज हैं। व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस मुसलमानों के दबाव में एक तरफा कार्रवाई कर रही है। जबकि चोर ने खुद कबूल किया था कि वह चोरी करने के इरादे से घर में घुसा था। उसके साथ किसी ने मारपीट नहीं की बल्कि वह खुद भागते हुए सीढ़ियों से गिर गया था, जिसके कारण उसे चोट लगी। जो वीडियो वायलर हो रहा है उसमें भी कोई चोर की पिटाई नहीं कर रहा है। उससे केवल पूछताछ की ही जा रही है। पुलिस के आने पर चोर को पुलिस के हवाले कर दिया गया था। अब पुलिस एक तरफा कार्रवाई करके व्यापारियों का उत्पीड़न कर रही है। ऐसे में हिन्दुओं का इलाके में रहना तक मुश्किल है। हिन्दू यहां से पलायन करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

क्या बोले एसपी सिटी म्रंगॉग शेखर

एसपी सिटी म्रंगॉग शेखर ने जानकारी देते हुए बताया गया कि थाना गांधी पार्क क्षेत्र के मामू भांजे इलाके में कुछ युवकों के द्वारा घर में घुसने व चोरी के शक में एक युवक के साथ मारपीट की थी पुलिस के द्वारा गंभीर हालत में युवक को अस्पताल ले जाय गया लेकिन युवक के द्वारा अपने प्राण त्याग दिए।

लोकेश त्यागी बने गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। जय भारत मंच ने एड. लोकेश त्यागी को गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। उनका मनोनयन मंच के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने किया है। नरेंद्र शर्मा ने लोकेश त्यागी को मनोनयन पत्र सौंपते हुए गाजियाबाद में मंच को मजबूती प्रदान करने की आशा की है। उन्होंने कहा कि मंच के माध्यम से लोकेश त्यागी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। जय भारत मंच

के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रेश क कुमार हैं। लोकेश त्यागी ने उन्हें गाजियाबाद जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह शीर्ष नेतृत्व के मार्ग दर्शन में वह जिले में मंच को मजबूत करेंगे और लोगों को मंच से जोड़ने के साथ उनमें राष्ट्रीय की भावना का संचार करने का कार्य करेंगे।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में जहरीली शराब से हुई मौत

किसी त्रासद घटना का सबक यह होना चाहिए कि उसमें हुई हानि को ध्यान में रख कर बाकी जगहों पर भी ऐसे उपाय किए जाएं जिससे वैसी घटनाओं से बचा जा सके। मगर विडंबना यह है कि ज्यादातर घटनाओं को स्थानीय समस्या मान कर दूसरी जगहों पर उसकी अनदेखी कर दी जाती है या फिर उसे महज एक खबर की तरह देखा जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर जहरीली शराब का सेवन करने से लोगों के मरने की खबरें आती रहती हैं। मगर वैसी घटनाओं में कारणों और परिणाम को लेकर एक व्यापक चिंता ठोस शक्ल नहीं लेती। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में अवैध देसी शराब पीने की वजह से कम से कम सैंतालीस लोगों की जान चली गई और अन्य तीस लोगों की हालत बेहद गंभीर हो गई। इस शराब के सेवन से एक सौ पैंसठ लोग बीमार हुए थे, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। यह अवैध तरीके से शराब बना कर लोगों को बेचने वाले की आपराधिक लापरवाही का नतीजा है, लेकिन जिस तमिलनाडु को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बेहतर स्थिति में माना जाता है, वहां पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे शराब के नाम पर जहर परोसने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों को यह सुविधा कैसे मिली कि वे बेधड़क अपना धंधा चला रहे थे और उनके पास भारी संख्या में लोग शराब पीने पहुंचते थे। जाहिर है, इतने सारे लोगों के मारे जाने के बाद अब सरकार और प्रशासन की ओर से एक औपचारिकता पूरी करने के लिए घटना की जांच, गहन तलाशी अभियान चलाने का निर्देश और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। सरकार ने जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक मदद की भी घोषणा की है। सरकार ने उस इलाके में प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या जानने के लिए घर-घर जाकर गणना करने की भी बात कही है। यह अपील की गई है कि जिन लोगों ने अवैध शराब का सेवन किया है, वे जल्द से जल्द जांच कराएं और जरूरी होने पर इलाज कराएं। इसे सरकार की संवेदनशीलता के तौर पर देखा जा सकता है। मगर यह समझना मुश्किल है कि सरकारी तंत्र की इस तरह की सक्रियता किसी त्रासद घटना के सामने आने और उसके तूल पकड़ लेने के बाद ही क्यों दिखाई देती है!

संगीत शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम

संगीत मानव जगत को ईश्वर का एक अनुपम दैवीय वरदान है। यह न सरहदों में कैद होता है और न भाषा में बंधता है। माना हर देश की भाषा, पहनावा और खानपान भले ही अलग हों, लेकिन हर देश के संगीत में सभी सात सुर एक जैसे होते हैं और लय-ताल भी एक-सी होती है। संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। विशेषज्ञों की मानें, संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देती है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। रोज की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच संगीत आपको सुकून के पल बिताने का मौका देता है। साथ ही संगीत आपके अकेलेपन का एक बढ़िया साथी भी बन सकता है। संगीत की इसी खासियत को सभी तक पहुंचाने के लिये 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम है ह्लएक वैश्विक ध्वनि वाली दुनिया का सामना करना। संगीत दिवस को ह्यफेटे डी ला म्यूजिकह्ल के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है ह्यसंगीत उत्सवह्ल। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। विश्व संगीत दिवस कुल 17 देशों में ही मनाया जाता है इसमें भारत, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्रिटेन, लक्समवर्ग, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, कोस्टारीका, इजाराइल, चीन, लेबनाम, मलेशिया, मोरक्को, पाकिस्तान, फिलीपींस, रोमानिया और कोलम्बिया शामिल हैं। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य अलग-अलग तरीके से लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है ताकि लोगों का विश्वास संगीत से न उठे। लांगफेलों के अनुसार संगीत मानव की विश्वव्यापी भाषा है ह्ल विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसिक शांति के लिए संगीत को अहम माना गया है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है। भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

परीक्षा में धांधली : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की जरूरत क्या है?

परीक्षा में धांधली कोई नई बात नहीं है, लेकिन आये दिन इसका बदलता स्वरूप उन मेधावी, मेहनती व गरीब छात्रों के लिए चिंता का सबब बन चुका है जिनका सियासत और प्रशासन में कोई 'गॉड फादर' नहीं होता, जो उन्हें घर बैठे सब कुछ सुलभ करवाता रहे! इसलिए जब भी कोई पेपर लीक होता है और परीक्षा रद्द हो जाती है तो सबसे ज्यादा आर्थिक मार इन्हीं कमजोर छात्रों पर पड़ती है। वहीं सर्वाधिक मानसिक पीड़ा ऐसे ही छात्रों को भुगतनी पड़ती है, क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम से इनके ही सुनहरे सपने प्रभावित होते हैं।

अब देखिए न, नीट-यूजी में गड़बड़ी का मामला अभी निपटा भी नहीं है कि यूजीसी नेट परीक्षा में धांधली का एक और नया मामला प्रकाश में आया है। इसके बाद आनन-फानन में शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की पवित्रता बचाने के लिए पूरी परीक्षा ही रद्द कर दी है। साथ ही बताया गया है कि जल्द ही नई तारीख का ऐलान किया जाएगा। यही नहीं, परीक्षा में गड़बड़ी की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जब परीक्षा में धांधली हो ही रही है, तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के गठन का औचित्य क्या है?

खास बात यह है कि यूजीसी-नेट की यह परीक्षा एक रोज पूर्व यानी 18 जून को ही देश भर में आयोजित की गई थी। तब परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इसके सफलता पूर्वक संपन्न होने का दावा किया था। हालांकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट को रद्द करने का यह फैसला गृह मंत्रालय से मिले उस इनपुट के आधार पर लिया है, जिसमें पेपर लीक होने समेत बड़े स्तर पर गड़बड़ी की सूचना मिली थी।

बताया जाता है कि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी। इसलिए प्राथमिक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होने के बाद ही यह पूरा फैसला लिया गया है। वहीं, मंत्रालय का यह भी कहना है कि परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को भी मिली थी। जबकि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी।

उल्लेखनीय है कि यूजीसी-नेट का जिम्मा भी नीट-यूजी परीक्षा आयोजित कराने वाली एनटीए के पास ही था। यूजीसी नेट 18 जून को देशभर के 317 शहरों में 1205 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराया गया था, जिसमें 11 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि आखिर में जिस हेराफेरी से बचने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार द्वारा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाई गई, जब वह जारी ही है तो फिर इसकी जरूरत क्या है?

क्योंकि नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण पर यदि गौर किया जाए तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत होता है कि नेताओं और अधिकारियों का कोई गुप्त गठजोड़ काम कर रहा है, जिनका मकसद प्रतिभाओं का गलाघोंट कर अपने संपर्क में आने वाले छात्रों को मोटी रकम ले-देकर उपकृत करना है। इस प्रकरण में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के एक निजी सचिव और उसके सम्पर्क में रहने वाले एक सरकारी अभियंता का नाम जिस तरह से उछला है, उससे पूरे प्रकरण की गम्भीरता को समझा जा सकता है।

चाहे बिहार हो या उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश हो या राजस्थान, या फिर इनसे कटकर अलग हुए छोटे-छोटे राज्य, परीक्षाओं में गड़बड़ियां आम बात बन चुकी हैं। वहीं, आंकड़े बताते हैं कि इन परीक्षा धांधली से जुड़े अधिकांश प्रकरणों में जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अमूमन कोई कड़ी नजीरी कार्रवाई अबतक नहीं की गई है और न ही उसके लिए कभी कोई कड़े नियम कानून बनाये गए हैं, जिसके चलते ऐसे घाघ लोग प्रायः बच निकलते हैं।

इसलिए यह राष्ट्रीय विमर्श का विषय है कि जब अयोग्य छात्र जुगाड़ तंत्र के सहारे अच्छे और तकनीकी ओहदे तक पहुंच जाएंगे तो फिर वह क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। कहीं बहते नवनिर्मित पुल तो कहीं इलाज के दौरान मरता आदमी, इसी बात की तो चुगली करता आया है। आप चाहे जिस भी क्षेत्र में चले जाएं, आरक्षण से नौकरी पाने वाली जमात की अकर्मण्यता की चर्चा वहां खुलकर देखने-सुनने को मिल जाएगी। उसी तरह से आरक्षण के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित किये जा रहे निजीकरण के नाम पर भी तमाम उलटबांसी करते लोग मिल जाएंगे, जिनकी करतूतों से यह संवैधानिक तंत्र कराहने लगा है!

बताया जाता है कि इस देश में सामाजिक न्याय के नाम पर अव्वल प्रतिभाओं के साथ जो सुनियोजित अन्याय हुआ, उससे न केवल ब्रेन ड्रेन के मामले बढ़े, बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान आदि ने इन्हीं प्रतिभाओं का सदुपयोग करके वैश्विक दुनियादारी में अपनी अव्वल जगह बना ली और भारत निरंतर पिछड़ता चला गया। यह ठीक है कि मोदी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए एक हद तक जद्दोजहद की, लेकिन फलसफा यह निकला कि महज 10 साल में ही सियासी और संवैधानिक बेड़ियों ने उसे भी जकड़ लिया और लगातार दो बार मिले पूर्ण बहुमत की जगह अब यह सरकार भी अल्पमत में आकर गठबंधन सरकार चलाने के लिए अभिशप्त कर दी गई।

सवाल है कि जब पूरी शिक्षा व्यवस्था काफी महंगी और आम आदमी की पहुंच के बाहर हो चली है, तब शिक्षा पात्रता परीक्षा में धांधली और पक्षपात के बीच आम आदमी के घर से निकला प्रतिभाशाली छात्र आखिर किधर जाएगा ह्यदि ऐसा सुनियोजित भ्रष्टाचार आम छात्रों को कतिपय महत्वपूर्ण अवसरों से दूर कर देगा तो फिर वो आगे क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। उसी तरह से सरकारी नौकरियों की प्राप्ति में हो रही धांधली और निजी क्षेत्र में नौकरी की उटपटांग व्यवस्था व सेवा शर्तों के बीच पीस रहे आम नौनिहालों के भविष्य के बारे में यदि हम-आप नहीं सोचेंगे, तो सोचेगा कौन? यक्ष प्रश्न है। इसलिए सरकार और प्रशासन का यह दायित्व है कि वह शिक्षा प्राप्ति से लेकर नौकरी प्राप्ति तक, या फिर कारोबारी दरवाजे खुलने तक पूरे देश में एक समान शिक्षा व परीक्षा प्रणाली लागू करे, जो पारदर्शी और भेदभाव रहित हो।

इसकी सफलता से न केवल राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी, बल्कि देश भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर मजबूत होगा। वहीं, शिक्षा, शैक्षणिक पात्रता परीक्षा व नौकरी पात्रता परीक्षा को केंद्रीकृत किये जाने के बजाय उन्हें विकेंद्रीकृत किया जाए, ताकि पूरे देश के लोग समान रूप से उससे लाभान्वित हो सकें।

पूंजीवादी व्यवस्था के खतरों को डॉ हेडगेवार ने पहचाना था

विश्व में साम्राज्यवाद का सिद्धांत सबसे पुराना माना जाता है। शक्ति एवं प्रभुत्व बढ़ाने की राज्य की नीति मानी जाती रही है और इसकी समय समय पर वकालत भी की जाती रही है। कुछ क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष रूप से अधिग्रहण करके एवं कुछ क्षेत्रों पर राजनैतिक एवं आर्थिक नियंत्रण करके कुछ राज्य अपने वर्चस्व को बढ़ाते रहे हैं। ब्रिटिश शासन ने भी इसी सिद्धांत का अनुसरण करते हुए दुनिया के कई देशों पर अपना राज्य कायम कर लिया था।

आज पूरे विश्व में पूंजीवाद की तूती बोल रही है। लगभग समस्त देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पूंजीवाद के सिद्धांत के आधार पर चला रहे हैं। मुक्त बाजार अथवा मुक्त उद्यम प्रणाली पूंजीवाद का दूसरा नाम है, जो उत्पादक संसाधनों पर निजी स्वामित्व के हक को मानते हुए देश में आर्थिक विकास को गति देने की नीति को अपनाती है। पूंजीवादी सिद्धांत के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ का कहना था कि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक धनकुबेर पैदा होने चाहिए, इससे अंततः वह देश विकसित देश की श्रेणी में शामिल हो सकता है। अतः देश में धनकुबेर पैदा करने में शासन द्वारा आर्थिक नीतियों को उद्योगपतियों के हित में बनाया जाना चाहिए। इस सम्बंध में एडम स्मिथ ने ह्लवेल्थ आफ नेशनह्ल नामक सिद्धांत भी प्रतिपादित किया था, जिसमें यह कहा गया था कि बाजार को चलाने में किसी अदृश्य शक्ति की भूमिका होती है। इस अदृश्य शक्ति में शासन की नीतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

पूंजीवादी सिद्धांत पर आधारित आर्थिक नीतियों को अमेरिका में बहुत उत्साहपूर्वक लागू किया गया था। 1950 के दशक के बाद अमेरिका में इन सिद्धांतों के अनुपालन के पश्चात अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर बहुत तेजी से आगे बढ़ी और शीघ्र ही अमेरिका विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो गया था। हालांकि, इस आर्थिक विकास के परिणामस्वरूप देश में आर्थिक असमानता भी उतनी ही तेज गति से बढ़ती है क्योंकि देश में आर्थिक नीतियों को एक वर्ग विशेष को आगे बढ़ाने की दृष्टि से विकसित किया जाता है, इससे अमीर और अधिक अमीर होते चले जाते हैं एवं गरीब और अधिक गरीब होते चले जाते हैं। विश्व में साम्राज्यवाद का सिद्धांत सबसे पुराना माना जाता है। शक्ति एवं प्रभुत्व बढ़ाने की राज्य की नीति मानी जाती रही है और इसकी समय समय पर वकालत भी की जाती रही है। कुछ क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष रूप से अधिग्रहण करके एवं कुछ क्षेत्रों पर राजनैतिक एवं आर्थिक नियंत्रण करके कुछ राज्य अपने वर्चस्व को बढ़ाते रहे हैं। ब्रिटिश शासन ने भी इसी सिद्धांत का अनुसरण करते हुए दुनिया के कई देशों पर अपना राज्य कायम कर लिया था। इस सिद्धांत के अनुपालन से भी जिन राज्यों पर सत्ता स्थापित की जाती है उन राज्यों के नागरिकों को दोयम दर्जे का नागरिक बना लिया जाता है और उनका शोषण किया जाता है। इस शासन प्रणाली में भी गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं और राज्य करने वाले देश के नागरिक शोषित राज्यों के संसाधनों का अति शोषण करते हुए इन्हें अपने हित में उपयोग करते हैं और वे स्वयं अमीर से और अधिक अमीर बनते चले जाते हैं। पूंजीवाद के सिद्धांतों का अनुपालन करने वाले कुछ देशों, विशेष रूप से अमेरिका के विकसित देश हो जाने के पश्चात, ने भी बाद के समय में साम्राज्यवाद का चोला पहिन लिया था। इन पूंजीवादी देशों ने छोटे छोटे गरीब देशों के संसाधनों पर व्यापार के माध्यम से अपना हक जताना प्रारम्भ कर दिया था। शोषण करने वालों के केवल नाम बदल गए थे, क्योंकि राज्यों के स्थान पर अब पूंजीपति इन देशों के नागरिकों एवं संसाधनों का शोषण करने लगे थे। एक तरह से पूंजीवाद स्वयं ही राजा बन बैठा। वैसे भी पूंजीवाद के सिद्धांतों के आधार पर चलने वाली अर्थव्यवस्था में येन केन प्रकारेण लाभ कमाना ही मुख्य लक्ष्य होता है, चाहे इसके लिए किसी वर्ग अथवा देश का शोषण ही क्यों न करना पड़े।

एक आर्थिक प्रणाली के रूप में पूंजीवाद की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में मानी जा सकती है। इंग्लैंड में 16वीं से 18वीं शताब्दी तक, कपड़ा उद्योग जैसे बड़े उद्यमों के औद्योगिकीकरण ने एक ऐसी प्रणाली को जन्म दिया जिसमें उत्पादकता बढ़ाने के लिए संचित पूंजी का निवेश किया गया और उद्योगपतियों ने मजदूरों का शोषण प्रारम्भ कर अधिक लाभ अर्जित करना प्रारम्भ किया। इस प्रकार किसी एक व्यक्ति को पूंजीवाद का आविष्कार करने वाला नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि पूर्ववर्ती पूंजीवादी प्रणालियां प्राचीन काल से ही अस्तित्व में थीं। चूंकि पूंजीवादी सिद्धांतों के अनुपालन में कुछ देश तेजी से विकास कर रहे थे एवं कुछ अन्य देशों का अति शोषण हो रहा था और पूंजीवाद एक तरह से विश्व के कई देशों में फैल रहा था अतः पूंजीवाद के साम्राज्यवाद के पद चिन्हों पर आगे बढ़ने के कारण डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1920 में नागपुर में आहूत किए जाने वाले कांग्रेस के अधिवेशन में प्रस्ताव समिति के सामने एक प्रस्ताव रखने का प्रयास किया था। इस प्रस्ताव में दो विषयों का उल्लेख किया गया था। एक, कांग्रेस को यह वादा करना चाहिए कि वह अंग्रेजों से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के नीचे कुछ भी स्वीकार नहीं करेगी और दूसरे, पूरे विश्व को पूंजीवादी नीतियों से मुक्ति दिलायी जाएगी। परंतु, दुःख का विषय है कि उस समय के कांग्रेस के नेताओं ने डॉक्टर हेडगेवार के उक्त प्रस्ताव को प्रस्ताव समिति से आगे बढ़ने ही नहीं दिया एवं यह प्रस्ताव कांग्रेस अधिवेशन में भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय प्रथम संघचालक डॉक्टर हेडगेवार ने वर्ष 1920 के पूर्व ही पूंजीवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों को पहचान लिया था तथा वे पूंजीवाद की आड़ में विश्व में फैल रहे साम्राज्यवादी नीतियों के भी घोर विरोधी थे। साम्राज्यवादी नीतियों के अंतर्गत कुछ पूंजीवादी देश, विश्व के अन्य गरीब देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। ब्रिटेन ने भी भारत पर ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से ही आधिपत्य स्थापित किया था। शुरूआती दौर में तो ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कम्पनी भी भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से ही आई थी। परंतु, बाद का खंडकाल गवाह है कि किस प्रकार भारत के संसाधनों का ब्रिटेन के हित में उपयोग किया गया। अति तो तब हुई जब ब्रिटेन ने भारत के हथकरघा उद्योग को ही तबाह कर दिया। भारत में सस्ती दरों पर कपास खरीद कर वे ब्रिटेन ले जाने लगे एवं ब्रिटेन में कपड़ा मिलों की स्थापना की गई ताकि इस कच्चे माल (कपास) से कपड़ों का निर्माण किया जा सके एवं ब्रिटेन में रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें। इस कपड़े को वापिस भारत में लाया जाकर भारतीय जनता को उच्च दरों पर बेचा जाने लगा। भारत से कच्चा माल (कपास) ले जाकर, भारत में ही ब्रिटेन में तैयार उत्पाद (कपड़ा) बेचा जाने लगा, अतः भारत को एक बाजार के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था। पूंजीवाद के नाम पर इस प्रकार की व्यवस्था खड़ी की गई और ब्रिटेन ने स्पष्ट रूप से भारत को लूटा। एक अनुसंधान प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि अंग्रेजों ने भारत पर अपने शासनकाल के दौरान लगभग 45 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की खुली लूट की थी एवं यह धन वह ब्रिटेन में ले गए थे। उस खंडकाल में पूंजीवाद के नाम पर अपनी साम्राज्यवादी नीतियों को लागू कर विकसित देशों ने गरीब देशों पर न केवल अपना शासन स्थापित किया था बल्कि इन गरीब देशों को जमकर लूटा भी गया था। ब्रिटेन के बारे में तो यह भी कहा जाता है उन्होंने अपने साम्राज्य को विश्व के कई देशों में इस प्रकार फैला लिया था कि ब्रिटेन के साम्राज्य का 24 घंटे में कभी सूरज ही नहीं डूबता था। उक्त कारणों के चलते ही परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने विश्व के देशों को पूंजीवाद की जकड़ से बाहर निकालने का प्रयास वर्ष 1920 में किया था।

सपा-कांग्रेस साथ-साथ, लेकिन सीट बंटवारे पर संशय

समाजवादी पार्टी के लिये यह अच्छी खबर है कि हरियाणा-महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों और उत्तर प्रदेश में होने वाले उप विधान सभा चुनाव में भी सपा-कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। इससे जहां यूपी में कांग्रेस को तो अन्य राज्यों में समाजवादी पार्टी को अपना विस्तार करने का मौका मिलेगा, इससे सपा को सबसे बड़ा यह हो सकता है कि उसको क्षेत्रीय की जगह राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाये। इस रणनीति के साथ राहुल-अखिलेश आगे बढ़ रहे हैं।

अबकी से दोनों दलों का आलाकमान काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। इसीलिये यह भी तय किया गया है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से गठबंधन पर बात करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ही अधिकृत होंगे, ताकि हाल में सम्पन्न मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जैसी तल्खी दोनों दलों के बीच दोबारा न पैदा हो। वैसे यह स्वभाविक भी था। क्योंकि इससे फायदा दोनों ही दलों को मिलेगा।

गौरतलब हो, कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में कहा भी था कि यूपी के दो लड़के हिन्दुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे- खटाखट-खटाखट। इस बात को स्पष्ट संकेत माना जा रहा था कि कांग्रेस अन्य राज्यों के चुनाव में सपा को साथ रखने की इच्छुक है। अखिलेश की पीडीए रणनीति यूपी लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन के

लिए बेहद फायदेमंद साबित हुई है। इस पीडीए रणनीति का विस्तार अब अन्य राज्यों में भी करने की सोच के साथ आगे बढ़ा जा रहा है।

बता दें इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव होने हैं। वहीं अगले साल की शुरूआत में दिल्ली और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव होने है। सपा महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा सीटों के लिए अपना दावा की कर रही है। महाराष्ट्र में पिछले चुनाव में उसके दो विधायक जीते थे। हरियाणा में भी करीब 20 सीटों पर मुस्लिम और यादव समीकरण प्रभावी है। सपा नेतृत्व चाहता है कि अन्य राज्यों में उसकी हिस्सेदारी बढ़े, ताकि उसे राज्य पार्टी से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल सके।

बात उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने है, जिसमें 9 सीटें यहां के विधायकों के लोकसभा सांसद चुने जाने के चलते खाली हुए हैं तो कानपुर की सीसामऊ सीट विधायक इरफान सोलंकी की सदस्यता जाने से रिक्त हुई है। कांग्रेस पश्चिम यूपी के साथ-साथ पूर्वांचल के इलाके की सीटों पर उपचुनाव लड़ने का प्लान बनाया है। यूपी की जिन 10 सीटों पर उपचुनाव है, उसमें करहल, मीरापुर, खैर, फूलपुर, मझवा, कुंदरकी, गाजियाबाद, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ सीट है। इनमें से 5 विधानसभा सीटें सपा कोटे की खाली हुई हैं तो 3 सीटें बीजेपी की रिक्त हुई हैं। इसके अलावा एक सीट आरएलडी और एक सीट निषाद पार्टी की है। यह उपचुनाव एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए काफी अहमियत रखता है। ऐसे में दोनों ही गठबंधन एक-दूसरे की सीटें कब्जा करने की कोशिश में है, लेकिन उससे पहले सीट बंटवारा भी कम अहम नहीं है।

खैर, सीटों के बंटवारे की बात कि जाये तो कांग्रेस उपचुनाव में सपा से पांच सीटें मांग रही है, कितनी सीटों पर समझौता होता है यह तो दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व की बैठक में ही तय होगा। कांग्रेस की ओर से यूपी की 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव में लगातार दावेदारी की जा रही है। माना जा रहा है कि सपा उपचुनाव में कांग्रेस को गाजियाबाद और अलीगढ़ की खैर सीट दे सकती है, लेकिन यूपी कांग्रेस ने उप-चुनाव के लिए पांच सीटों का चयन किया है। फूलपुर, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, अलीगढ़ की खैर, मिजार्पुर की मझवा और गाजियाबाद सीट है। कांग्रेस के अंदुरूनी सूत्रों का कहना है कि वह सपा की 2022 में जीती हुई विधानसभा सीटों पर हम दावा नहीं कर रहे हैं बल्कि बीजेपी और एनडीए के कब्जे वाली सीटों पर दावेदारी कर रहे हैं।

कांग्रेस सूत्रों ने साफ कहा कि गाजियाबाद और पश्चिमी यूपी में मीरापुर और खैर सीट पर उपचुनाव लड़ने की तैयारी पार्टी कर रही है। पूर्वांचल की फूलपुर और मझवा सीट को लेकर कांग्रेस ने प्लानिंग की है। कांग्रेस पूर्वांचल और पश्चिमी दोनों ही इलाके की सीटों पर उपचुनाव लड़ने की रणनीति बनाई है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सीमा यादव द्वारा मै0 सुभाषिनी ऑफसैट प्रिन्टर्स एप-10 पटेल नगर तृतीय, गाजियाबाद से मुद्रित करवाकर प्राचीन देवी मंदिर डासना, गाजियाबाद उ.प्र. से प्रकाशित किया।

Tital Code : UPHIN40005

संपादक - अनिल यादव

Mo. 93111 39274

www.suryabulletin.com
suryabulletin@gmail.com

टी-20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

वेस्टइंडीज को दी 3 विकेट से शिकस्त

नॉर्थ साउंड। स्पिनर तबरेज शम्सी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित रोमांचक मैच में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस प्रणाली से तीन विकेट से हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में हार से सह मेजबान वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गया। शम्सी ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें दो अन्य स्पिनरों केशव महाराज (24 रन देकर एक विकेट) और कप्तान एडन मार्करम (28 रन देकर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला जिससे दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट पर 135 रन ही बनाने दिए।

वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने जब दो विकेट पर 15 रन बनाए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। खेल दोबारा शुरू होने पर दक्षिण अफ्रीका के सामने डकवर्थ लुईस प्रणाली से 17 ओवर में 123 रन बनाने का नया लक्ष्य रखा गया। दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट पर 124 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसने सुपर 8 में अपने तीनों मैच जीते और इस तरह से ग्रुप 2 में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस ग्रुप से इंग्लैंड चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। वह अन्य मेजबान अमेरिका को 10 विकेट से हराकर पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था। दक्षिण अफ्रीका ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों रीजा हेंडरिक्स (00) और क्विंटन डिकॉक (12) के विकेट गंवा दिए थे। बारिश थमने के बाद जब खेल शुरू हुआ तो मार्करम (18), ट्रिस्टन स्टब्स (27 गेंदों में 29 रन) और हेनरिक क्लासेन (10 गेंदों में 22 रन) ने जिम्मेदारी संभाली। लेकिन वह मार्को यानसन (14 गेंदों में नाबाद 21 रन) थे जिन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय द्वारा फेंके गए 17वें ओवर की पहली गेंद पर खूबसूरत छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। चेज ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीन ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट लिए लेकिन उनका यह ऑलराउंड प्रदर्शन भी वेस्टइंडीज को जीत नहीं दिला पाया। बारिश के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ा आसान हो गई थी जिसका दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को फायदा मिला। वेस्टइंडीज को बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती ने निराश किया जिन्होंने अपने एक ओवर में 20 रन देकर एक विकेट लिया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्करम ने गेंदबाजी की शुरुआत की और वेस्टइंडीज के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन को केवल एक रन पर आउट कर दिया। काइल मेयर्स (34 गेंदों पर 35 रन) और वेस्टइंडीज की तरफ से सभी प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले चेज ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन जोड़कर आंद्रे रसेल और रोवमैन पॉवेल जैसे हिटर के लिए अच्छा मंच तैयार किया लेकिन शम्सी और महाराज ने शानदार गेंदबाजी करके एकदम से पासा पलट दिया। रसेल ने अपनी 15 रन की पारी के दौरान एनरिक नोर्किया पर दो छक्के भी लगाए लेकिन वह टीम को 150 रन तक नहीं पहुंचा पाए। उनके रन आउट होने से वेस्टइंडीज की चुनौती पूर्ण स्कोर तक पहुंचने की उम्मीद समाप्त हो गई। चेज ने अपनी 42 गेंद की पारी ने तीन चौके और दो छक्के लगाए।

हम और दमदार तरीके से जीत दर्ज करना चाहेंगे: मार्करम

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने से राहत महसूस कर रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लक्ष्य को जल्दी हासिल करने की हड़बड़ी दिखायी जिससे यह मुकाबला काफी करीबी हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने दो बार की चैंपियन टीम को आठ विकेट पर 135 रन रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते समय जब टीम ने 15 रन पर दो विकेट गंवा दिये थे तब बारिश के कारण एक घंटे तक खेल रूका रहा। दक्षिण अफ्रीका को इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली से जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। टीम ने सात विकेट गंवाकर आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया। मार्करम ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' सेमीफाइनल में पहुंचने से काफी राहत मिली। हम हालांकि इस जीत के बाद भावनाओं पर काबू रखना चाहते है। हम बल्लेबाजी करते समय और अधिक सतर्कता बरतना पसंद करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''बारिश के ब्रेक के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो गयी थी। हम मैच को जल्दी खत्म करना चाहते थे लेकिन साझेदारियां नहीं बना पाये। जल्दबाजी दिखाने से टीम मुश्किल में पड़ गयी थी। हमारे लिए यह (सेमीफाइनल में पहुंचना) बड़ी सफलता है और टीम ड्रेसिंग रूम में माहौल शानदार है।'' मार्करम ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए बल्लेबाजों से अधिक जिम्मेदारी लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, परिस्थितियों का आकलन किया और उन्हें सामान्य से कम स्कोर पर रखा। हम बारिश के बाद साझेदारी बना सकते थे और फिर उसे आगे बढ़ा सकते थे, हम उससे सीख लेंगे और उम्मीद है कि दोबारा यह गलती नहीं करेंगे।'' इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज के लिए तीसरा खिताब जीतने की उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं।

टी20 विश्व कप मैच में अर्धशतक लगाने और तीन विकेट लेने वाले चौथे खिलाड़ी बने चेज

सेंट जॉन्स। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोस्टन चेस सोमवार को एक आईसीसी टी 20 विश्व कप मैच में अर्धशतक बनाने और तीन या अधिक विकेट लेने वाले कुल मिलाकर चौथे और अपनी टीम के दूसरे खिलाड़ी बन गए। चेस ने यह उपलब्धि एंटीगुआ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप सुपर आठ टी20 विश्व कप मुकाबले के दौरान हासिल की।

मैच में, चेस ने 42 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 52 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 123.81 रहा। इसके बाद उन्होंने तीन ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और केशव महाराज के विकेट शामिल थे। हालांकि, उनका यह शानदार प्रदर्शन बेकार गया और वेस्टइंडीज मैच 7 विकेट से हार गया और प्रतियोगिता से बाहर हो गया। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने इससे पहले यह कारनामा करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 विश्व कप 2009 में लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ नाबाद 66 रन बनाए और 38 रन देकर 4 विकेट लिये। ब्रावो के स्पेल की बदौलत भारत ने 7 विकेट पर 153 रन बनाए। इसके बाद उनके अर्धशतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने आठ गेंदें शेष रहते लक्ष्य

हासिल कर लिया। शेन वॉटसन ने 2012 टी20 विश्व कप के दौरान कोलंबो में दो बार ऐसा किया था। आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने 51 रन बनाए और 26 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि भारत के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में दो चौकों और सात छक्कों की मदद से 72* रन बनाए और 14.5 ओवर में 141 रन का पीछा कर रही भारतीय टीम को 140 रन पर समेट दिया। इसके अलावा चल रहे टूर्नामेंट में, मार्कस स्टोइनिस ने ओमान पर जीत में ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ऑलराउंड प्रदर्शन किया, उन्होंने 67* रन बनाए और मैच में 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत पहले ऑस्ट्रेलिया ने 164 रनों का कुल स्कोर बनाया और फिर ओमान को 125/9 पर दिया। वेस्टइंडीज-दक्षिण अफ्रीका मैच की बात करें तो मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

वेस्टइंडीज ने केवल 5 रन पर दो विकेट खो दिये थे, लेकिन काइल मेयर्स (34 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 35 रन) और रोस्टन चेस (42 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 52) के बीच 81 रनों की साझेदारी ने उन्हें मैच में वापस ला दिया। हालांकि, प्रोटियाज के गेंदबाजों ने इस साझेदारी के बाद नियमित अंतराल पर विंडीज को झटके देते रहे और टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 135 का स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से तबरेज शम्सी ने 3, मार्को यान्सन, एडन मार्करम, केशव महाराज और कागिसो रबाडा ने 1-1 विकेट लिया। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए। बारिश के कारण खेल बाधित होने के कारण प्रोटियाज को 17 ओवर में 123 रनों का नया लक्ष्य दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

जर्मनी ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)। निकोलस फुलक्रग के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से जर्मनी ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के मैच में स्विट्जरलैंड को 1-1 से बराबरी पर रोक कर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। जर्मनी यूरोपीय चैंपियनशिप में स्विट्जरलैंड के खिलाफ पहली हार के करीब था लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी फुलक्रग ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में खूबसूरत गोल किया जिससे जर्मन टीम के खिलाड़ियों ने ही नहीं दर्शकों ने भी राहत की सांस ली। फुलक्रग ने एक रक्षक और स्विट्जरलैंड के गोलकीपर यान सोमर को छकाकर गोल किया। इससे पहले स्विट्जरलैंड ने 28वें मिनट में डैन एनडोये के गोल की मदद से बढ़त हासिल की थी। जर्मनी इससे पहले स्कॉटलैंड और हंगरी को हराकर अगले दौर में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुका था। वह तीन मैच में 7 अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर रहा। स्विट्जरलैंड ने 5 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। हंगरी ने स्टुटगार्ट में खेले गए ग्रुप ए के एक अन्य मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से पराजित किया। इससे वह ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा।

सिनर ने ग्रास कोर्ट पर पहला खिताब जीता

हाले (जर्मनी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर ने हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में ह्यूबर्ट हुरकाज को सीधे सेटों में हराकर ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता। इटली के 22 वर्षीय खिलाड़ी सिनर ने टाइब्रेकर तक खिंचे दोनों सेट में पोलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वी को 7-6 (8), 7-6 (2) से हराकर विंबलडन की अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम दिया । ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर ने कहा,''मैं जानता था कि मैं अच्छी सर्विस कर रहा हूं। मैं यह टूर्नामेंट जीत कर बहुत खुश हूं क्योंकि मैंने पहली बार ग्रास कोर्ट पर खिताब जीता है।'' सिनर पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें नोवाक जोकोविच से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 206 रन का लक्ष्य दिया

ग्रॉस आइलेट। कप्तान रोहित शर्मा के तूफानी अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट पर 205 रन बनाए। रोहित ने 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की पारी खेली। उन्होंने ऋषभ पंत (15) के साथ दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 38 गेंद में 87 रन की साझेदारी करके भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यकुमार यादव (31), शिवम दुबे (28) और हार्दिक पंड्या (नाबाद 27) ने भी उपयोगी पारियां खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए। स्टार्क ने 45 जबकि स्टोइनिस ने 56 रन लुटाए। जोश हेजलवुड ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर एक विकेट चटकाया। पैट कमिंस ने भी चार ओवर में 48 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद टीम ने दूसरे ओवर में ही विराट कोहली का विकेट गंवा दिया जो खाता खोले बिना हेजलवुड की गेंद पर टिम डेविड को कैच दे बैठे। कप्तान रोहित शर्मा ने स्टार्क के पहले ओवर में चौके से खाता खोला और फिर उनके अगले ओवर में चार छक्के और एक चौके से 29 रन बटोरे। रोहित ने कमिंस का स्वागत छक्के के साथ किया जिसके बाद बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका रहा।

बांग्लादेश के खिलाफ आत्ममुग्धता से बचना होगा अफगानिस्तान को

किंग्सटाउन। पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर उत्साह से ओतप्रोत अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। अफगानिस्तान ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम को हराकर पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतरने से पहले उसकी टीम हालांकि भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के लिए दुआ करेगी। भारत की टीम इस ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में सबसे आगे है क्योंकि उसका नेट रन रेट अन्य टीमों से बेहतर है।

भारत अभी ग्रुप में शीर्ष पर काबिज है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश का नंबर आता है। ऑस्ट्रेलिया का नेट रन रेट अफगानिस्तान से बेहतर है और अगर वह भारत को हरा देता है तो फिर उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़ जाएगी । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच का परिणाम कुछ भी हो, अफगानिस्तान की टीम बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। बांग्लादेश की टीम अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। अफगानिस्तान ने दिखा दिया है कि उसकी टीम के पास बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने की मानसिकता और कौशल दोनों हैं तथा अब वह जीत के लिए केवल अपने गेंदबाजों पर ही निर्भर नहीं है। टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है और अफगानिस्तान इन दोनों से बांग्लादेश के खिलाफ भी इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

अफगानिस्तान की टीम में कई ऑलराउंडर है जिसका उन्हें यहां की परिस्थितियों में फायदा मिल रहा है। बांग्लादेश से उसका सामना उसी मैदान पर होगा जिसमें उसने आस्ट्रेलिया को हराया था। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है जो ऑस्ट्रेलिया और भारत से हार के कारण उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने इस पूरे टूर्नामेंट में लचर प्रदर्शन किया है और वह रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उसकी टीम को अच्छे पावर हिटर की भी कमी खल रही है।

सलामी बल्लेबाज लिटन दास और तंजीद खान के खराब प्रदर्शन से भी टीम को नुकसान हुआ है। बल्लेबाज तोहीद हृदय और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने हालांकि अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम के अन्य खिलाड़ी उनसे प्रेरणा देने की कोशिश करेंगे।

दोनों टीम इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान: राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़, इब्राहिम ज़द्रन, अज़मतुल्लाह उमरज़ई, नजीबुल्लाह ज़दरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, हज़रतुल्लाह ज़ज़ई, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फ़ज़लहक फ़ारूकी, फ़रीद अहमद मलिक.

बांग्लादेश: तनजीद हसन, लिटन दास, नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), शाकिब अल हसन, तौहीद हृदॉय, महमूदुल्लाह, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, जैकर अली, तनवीर इस्लाम, शोरफुल इस्लाम, सौम्या सरकार

मैच भारतीय समयानुसार सुबह 6:00 बजे शुरू होगा।

पीसीबी में आमूलचूल बदलाव की तैयारी

खिलाड़ियों के लिए बनेगी आचार संहिता

कराची। अमेरिका में टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लचर प्रदर्शन के बाद देश के क्रिकेट बोर्ड में बदलाव की तैयारी है और खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने की तैयारी भी की जा रही है जो टूर्नामेंट के दौरान अपने परिवारों को साथ ले जाने और पैसे लेकर प्रचार कार्यक्रमों में जाने के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक विश्वसनीय सूत्र ने पुष्टि की है कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के प्रदर्शन से नाराज हैं और उन्होंने टीम में व्याप्त अनुशासनहीनता के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया है। टीम टी20 विश्व कप में लीग चरण से भी आगे नहीं बढ़ सकी।

सूत्र ने कहा, ''आप उम्मीद कर सकते हैं कि पीसीबी भविष्य में वरिष्ठ प्रबंधन स्तर के कुछ अधिकारियों को बाहर कर देगा और खिलाड़ियों के लिए कुछ सख्त नीतियां भी लागू करेगा।'' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को आईसीसी और अन्य प्रमुख प्रतियोगिताओं में अपने परिवारों को साथ ले जाने की अनुमति नहीं देने के बारे में नीतिगत निर्णय भी पीसीबी द्वारा जल्द ही घोषित किए जाने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, ''इतने सारे खिलाड़ी ना केवल अपनी पत्नियों और बच्चों को विश्व कप के लिए ले गए बल्कि उनके माता-पिता, भाई आदि भी टीम होटल में ठहरे जिससे अध्यक्ष नाखुश हैं।'' उन्होंने कहा कि जब इस बारे में पूछताछ की गई कि खिलाड़ियों को अपने परिवार के सभी सदस्यों को दौरे पर ले जाने की अनुमति किसने दी तो पता चला कि इस निर्णय के पीछे बोर्ड के कुछ वरिष्ठ अधिकारी थे। सूत्र ने कहा कि पीसीबी प्रमुख ने अब वरिष्ठ प्रबंधन स्तर के सभी अधिकारियों से प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट मांगी है क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए काम की प्रगति से भी नाखुश हैं। 'जंग' अखबार की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने डलास में एक 'मीट-एंड-ग्रीट' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रति व्यक्ति 2500 डॉलर का शुल्क भी लिया। इसमें यह भी कहा गया है कि कप्तान बाबर आजम और अन्य खिलाड़ियों को किए गए भुगतान में अंतर के कारण एक अन्य कार्यक्रम 'ए नाइट विद स्टार्स' को रद्द कर दिया गया था।

इन सभी खुलासों का विश्लेषण टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाले अमेरिका और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से हारने के बाद लीग चरण से पाकिस्तान के बाहर होने के पोस्टमार्टम के दौरान किया जाएगा। दिसंबर 2022 से बोर्ड को चार अध्यक्ष मिल चुके हैं लेकिन वरिष्ठ प्रबंधन स्तर के किसी भी अधिकारी को स्थानांतरित या बर्खास्त नहीं किया गया है। इसके अलावा बाबर और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच कप्तानी को लेकर मतभेद के कारण टीम में गुटबाजी की भी अटकलें हैं।

भारत की पुरुष और महिला तीरंदाजी टीमों ने ओलंपिक कोटा हासिल किये

नयी दिल्ली। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा। ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है। अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे। सेना के 40 साल के दिग्गज तरूणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा। उन्होंने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भकत और भजन कौर ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, जबकि प्रवीण जाधव का तोक्यो के बाद यह लगातार दूसरा ओलंपिक खेल होगा।

भारतीय टीम:

पुरुष: तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव।

महिला: दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भकत।

संक्षिप्त खबरें

क्वॉन्ट MF सेबी की जांच के घेरे में, पूरे सहयोग का भरोसा दिलाया

नई दिल्ली। नई दिल्ली, 24 जून (वेब वार्ता)। क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड ने कहा है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) उसकी जांच कर रहा है और वह नियामक के पूरा सहयोग करने को प्रतिबद्ध है। कंपनी का यह बयान मीडिया में आई उस खबर के बाद आया है कि सेबी कथित फ्रंट-रनिंग गतिविधियों को लेकर क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड की जांच कर रहा है। खबरों के अनुसार, नियामक ने मुंबई और हैदराबाद में क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड के कार्यालय में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया है। फ्रंट-रनिंग से तात्पर्य शेयर बाजार में गलत व्यवहार से है, जहां एक इकाई अपने ग्राहकों को जानकारी उपलब्ध कराने से पहले ब्रोकर या विश्लेषक से मिली जानकारी के आधार पर कारोबार करती है। रविवार देर रात निवेशकों को लिखे एक नोट में कंपनी ने कहा, ''हाल ही में क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड को सेबी से पूछताछ मिली है और हम इस मामले के संबंध में आपकी किसी भी चिंता का समाधान करना चाहते हैं।'' नोट में कहा गया है, ''हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड एक विनियमित इकाई है और हम किसी भी समीक्षा के दौरान नियामक के साथ सहयोग करने के लिए हमेशा पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हम सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे और सेबी को नियमित और जरूरत के हिसाब से आंकड़ प्रस्तुत करना जारी रखेंगे। क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड के पास 80 लाख से अधिक फोलियो हैं। इसके प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 93,000 करोड़ रुपये से अधिक हैं।

सोनी पिक्चर्स इंडिया ने गौरव बनर्जी को नया प्रबंध निदेशक एवं सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने डिज्नी के पूर्व कार्यकारी गौरव बनर्जी को अपना प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति 26 अगस्त या उससे पहले प्रभावी होगी। यह नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने सोमवार को बयान में कहा कि बनर्जी, एन पी सिंह की जगह लेंगे, जो 25 साल के कार्यकाल के बाद गैर-कार्यकारी चेयरमैन की भूमिका में आ जाएंगे। बनर्जी के कार्यभार संभालने के बाद ही सिंह नई भूमिका संभालेंगे। इससे वित्त वर्ष के अंत तक वह इस बदलाव के लिए समर्थन दे सकेंगे।

पेटीएम ने मार्च तिमाही में हवाई यात्रा के लिए बुकिंग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में हवाई यात्रा के लिए बुकिंग में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। पेटीएम का यात्रा के लिए टिकट बुकिंग कारोबार इसके विपणन सेवा खंड के तहत आता है। कंपनी के टिकट बुकिंग कारोबार का राजस्व मार्च, 2024 की तिमाही में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 395 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में पेटीएम ने ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए) के बीच अपनी बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी को कायम रखा है। सालाना आधार पर कंपनी ने उड़ान बुकिंग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जो उद्योग की तीन प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। पेटीएम के विपणन सेवा कारोबार में मुख्य रूप से टिकट बुकिंग (यात्रा, फिल्म या किसी कार्यक्रम के टिकट), विज्ञापन, क्रेडिट कार्ड मार्केटिंग और गिफ्ट वाउचर आते हैं।

हीरो मोटोकॉर्प एक जुलाई से चुनिंदा मॉडल के दाम 1,500 रुपये तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प अपने चुनिंदा स्कूटर और मोटरसाइकिल मॉडल की कीमतों में एक जुलाई, 2024 से 1,500 रुपये तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी ने सोमवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि उत्पादन की ऊंची लागत की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि कीमत में संशोधन 1,500 रुपये तक होगा और यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और बाजार के हिसाब से भिन्न होगी। हीरो मोटोकॉर्प स्प्लेंडर श्रृंखला, एचएफ डीलक्स और ग्लैमर सहित कई बाइक बेचती है। इसकी स्कूटर श्रृंखला में जूम और डेस्टिनी 125 एक्सटीईसी शामिल हैं।

26 जून से एसोचैम का दो दिन का 'यूपी- MSME सम्मेलन'

लखनऊ। देश के कुटीर, लघु एवं मंझोले उद्यमों (एमएसएमई) को और प्रतिस्पर्धी बनाने तथा उन्हें नयी प्रौद्योगिकियों और रणनीतियों से रूबरू कराने के लिये उद्योग मंडल 'एसोचैम' आगामी 26-27 जून को लखनऊ में 'उत्तर प्रदेश- एमएसएमई सम्मेलन' आयोजित करेगा। एसोचैम द्वारा सोमवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक 'अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस' के अवसर पर आयोजित किये जाने वाले इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयों के प्रतिनिधि और इस क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। साथ ही कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे। बयान के अनुसार, राज्य में एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली सरकार की नीतियों के अनुरूप यह कार्यक्रम एसोचैम की 'विकसित भारत के लिये एमएसएमई दृष्टिकोण' का हिस्सा है। इस दो दिन के सम्मेलन में एमएसएमई इकाइयों के प्रतिनिधियों और संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच विषय आधारित चर्चा सत्र, खरीदार-विक्रेता सम्मेलन, क्षेत्र आधारित गोलमेज चर्चा, उद्योग-सरकार बैठकें और भारतीय एमएसएमई के लिये देश के प्रमुख बाजारों में पैठ बनाने की रणनीतियों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र आयोजित किये जाएंगे।

सरकार ने जमाखोरी, कीमतों पर लगाम के लिए तय की गेहूं के भंडारण की सीमा

नई दिल्ली। गेहूं की बढ़ती कीमतों और जमाखोरी पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सोमवार को व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं (प्रोसेसर) पर तत्काल प्रभाव से गेहूं का स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है। ये प्रतिबंध सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 31 मार्च, 2025 तक लागू रहेंगे। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एकल खुदरा विक्रेता, बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता, प्रसंस्करणकर्ता और थोक विक्रेता हर शुक्रवार को अपने गेहूं के स्टॉक का खुलासा करेंगे। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि नए नियमों के तहत बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं की खुदरा दुकानों और व्यक्तिगत दुकानों को 10 टन तक गेहूं का भंडारण करने की अनुमति है।

व्यापारियों, थोक विक्रेताओं और बड़ी खुदरा श्रृंखलाओं के बड़े डिपो में प्रत्येक के लिए 3,000 टन की सीमा तय की गई है। प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए सीमा का निर्धारण उनकी मासिक स्थापित क्षमता (एमआईसी) के 70 प्रतिशत को वित्त वर्ष 2024-25 के शेष महीनों से गुणा करके निकाला जाएगा। सरकार ने सभी संस्थाओं को अपने स्टॉक के बारे में बताने और इसे खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर नियमित रूप से डालने का आदेश दिया है। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक रखने वालों को नए मानदंडों का पालन करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है। चोपड़ा ने जोर देकर कह कि मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध है और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध की समीक्षा का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह निर्णय पिछले सप्ताह गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें अधिकारियों को गेहूं की कीमतों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया था। सरकार ने तब उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करने का संकेत दिया था। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में गेहूं और गेहूं के आटे की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी हुई है। 20 जून तक गेहूं का औसत खुदरा मूल्य एक साल पहले के 28.95 रुपये से बढ़कर 30.99 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। गेहूं के आटे की कीमतें भी पिछले साल के 34.29 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 36.13 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं।

सरकार का कहना है कि उसके पास सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त गेहूं का स्टॉक है, जो लगभग 1.84 करोड़ टन है। 18 जून तक, सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2024-25 में केंद्रीय पूल के लिए 2.66 करोड़ टन गेहूं खरीदा, जो पिछले वर्ष की खरीद 2.62 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। चोपड़ा ने बताया कि जमाखोरी को कम करने के लिए स्टॉक रखने की सीमा तय की गई है। उन्होंने कहा कि खुदरा कीमतों पर नजर रखने के कई साधन हैं और स्टॉक सीमा ऐसे ही साधनों में से एक है।

सीतारमण ने ट्रेड यूनियनों और श्रम संगठनों के साथ की बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनजर ट्रेड यूनियनों और श्रम संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में ट्रेड यूनियनों और श्रम संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिए और विचार रखे।

बजट पूर्व परामर्श बैठक में वित्त सचिव, वित्तीय सेवा के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने भी भाग लिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम चुनाव से पहले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था।

चुनाव के बाद उन्हें फिर से वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने अब पूर्ण बजट पेश करने के पहले उसकी तैयारी शुरू कर दी है।

रुपया 11 पैसे चढ़कर 83.46 प्रति डॉलर पर रुपया बंद

मुंबई। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 11 पैसे की तेजी के साथ 83.46 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख तथा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के कारण रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि दुनिया की प्रमुख प्रतिद्वन्द्वी मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने से भी रुपये को मदद मिली। हालांकि, कमजोर एशियाई बाजार और पश्चिम एशिया में ताजा भू-राजनीतिक तनाव ने तेज बढ़त पर रोक लगा दी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय रुपया 83.52 पर खुला और कारोबार के दौरान 83.44 के दिन के उच्चतम स्तर को छू गया। कारोबार के अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की तेजी के साथ 83.46 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

RBI को मुद्रास्फीति से हटकर वृद्धि को बढ़ावा देने पर ध्यान देने की जरूरत: जयंत आर वर्मा

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति के भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित लक्ष्य चार प्रतिशत के करीब पहुंचने के साथ मौद्रिक नीति को वृद्धि पर ध्यान देने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य जयंत आर वर्मा ने सोमवार को यह बात कही। वर्मा ने कहा कि 2024-25 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लक्ष्य से केवल 0.5 प्रतिशत अधिक रहने का अनुमान है, और प्रमुख मुद्रास्फीति भी काबू में है।

उन्होंने बताया कि असहनीय रूप से उच्च मुद्रास्फीति की लंबी अवधि खत्म हो रही है अगली कुछ तिमाहियों में, हम महंगाई में और अधिक कमी देखेंगे और मुद्रास्फीति धीमे-धीमे चार प्रतिशत के लक्ष्य पर आ जाएगी। भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम, अहमदाबाद) के प्रोफेसर वर्मा ने कहा कि मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई में वृद्धि की कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि 2023-24 में आर्थिक वृद्धि 8.2 प्रतिशत थी, जबकि 2024-25 में इसके करीब 0.75 प्रतिशत से एक प्रतिशत तक कम रहने का अनुमान है। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि भारत में आठ प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने की क्षमता है। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था।

सोने में 120 रुपये की गिरावट, चांदी 400 रुपये टूटी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 120 रुपये के नुकसान के साथ 73,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी पिछले बंद भाव के मुकाबले 400 रुपये की गिरावट के साथ 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने (24 कैरेट) की कीमतें 72,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहीं। यह पिछले बंद भाव से 120 रुपये कमजोर है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 2,318 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी गिरावट के साथ 29.47 डॉलर प्रति औंस पर थी। गांधी ने कहा कि शुक्रवार को जारी अमेरिकी विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अपेक्षा से अधिक मजबूत होने के बाद सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई, जिससे व्यापारियों को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के समय पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 131 अंक मजबूत, निफ्टी भी लाभ में

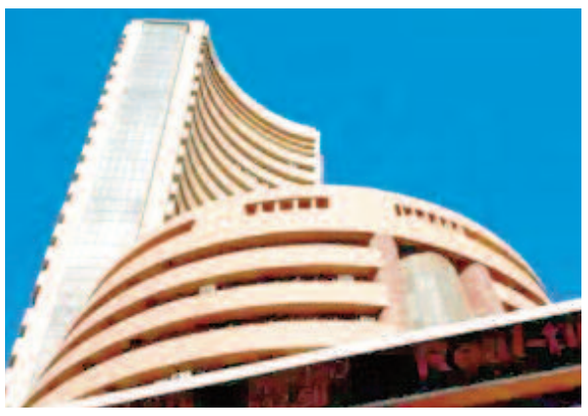

मुंबई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 131 अंक की बढ़त में रहा। बैंक शेयरों में लिवाली और यूरोप के प्रमुख बाजारों में मजबूत शुरुआत से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में मानक सूचकांक 463.96 अंक तक लुढ़क गया था।

बाद में इसमें तेजी आयी और यह 213.12 अंक चढ़ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.75 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,537.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, सन फार्मा, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसी आईसीआई बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। उसने कहा है कि ऊंची ब्याज दर और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी।

एशिया प्रशांत के लिए सोमवार को जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है। बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

कैग ने किया 'चैडविक हाउस नेविगेटिंग ऑडिट हेरिटेज' संग्रहालय का उद्घाटन

शिमला। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र मुर्मू ने सोमवार को यहां 'चैडविक हाउस नेविगेटिंग ऑडिट हेरिटेज' संग्रहालय का उद्घाटन किया। यह संग्रहालय कैग के विकास और उपलब्धियों को दर्शाता है। चैडविक हाउस शिमला की एक महत्वपूर्ण पहचान है और यह एक समृद्ध और व्यापक इतिहास समेटे है। इसका ऐतिहासिक महत्व है। 1946 में कैबिनेट मिशन के लिए शिमला की यात्रा के दौरान महात्मा गांधी यहीं ठहरे थे।

आजादी के बाद 1950 में, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के लिए यहां एक प्रशिक्षण स्कूल शुरू किया गया था। हालांकि, चैडविक हाउस धीरे-धीरे जर्जर हो गया। उचित देखभाल और रखरखाव के बिना यह 2018 में बंद होने के कगार पर था। मुर्मू ने कहा कि इसके बाद देश के प्रमुख ऑडिट संस्थान ने इस विरासत को बचाने के लिए कदम उठाया। दिसंबर, 2020 में इसके तत्कालीन मालिक प्रसार भारती (ऑल इंडिया रेडियो) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे चैडविक हाउस को एक संग्रहालय के रूप में स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई। अपने उद्घाटन भाषण में, मुर्मू ने ज्ञान के भंडार और लेखा परीक्षकों की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में संग्रहालय के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, कि चैडविक हाउस सिर्फ एक इमारत नहीं है, न यह कभी थी। 1880 के दशक में निर्मित चैडविक हाउस को 1904 में कपूरथला के महाराजा राजा सरदार चरणजीत सिंह ने खरीदा था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शिमला आने पर चैडविक हाउस महात्मा गांधी का पसंदीदा निवास था।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर कायम रखा

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखते हुए कहा है कि ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी।

एशिया प्रशांत के लिए सोमवार को जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है और बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ने कहा df हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत पर आ जाएगी। ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से गैर-कृषि क्षेत्रों की मांग प्रभावित होगी। एसएंडपी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 प्रतिशत और सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए एसएंडपी का वृद्धि दर का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान से कम है।

इससे पहले इसी महीने केंद्रीय बैंक ने अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एक अन्य रेटिंग एजेंसी फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहेगी।

वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया का अनुमान है कि 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मॉर्गन स्टेनली ने 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। चीन के लिए एसएंडपी ने 2024 के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया है।

क्रिसुमी लग्जरी अपार्टमेंट बनाने के लिए 2,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली। रियल्टी एस्टेट कंपनी क्रिसुमी कॉरपोरेशन गुरुग्राम में आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच अपनी विस्तार योजना के तहत 1,051 लग्जरी अपार्टमेंट बनाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। क्रिसुमी कॉरपोरेशन मूलतः कृष्णा ग्रुप और जापान की सुमितोमो कॉरपोरेशन का संयुक्त उद्यम है। यह गुरुग्राम के सेक्टर-36ए में पहले से ही एक बड़ी लग्जरी टाउनशिप 'क्रिसुमी सिटी' विकसित कर रहा है। 433 इकाइयों वाला पहला चरण 'वाटरफॉल रेजिडेंस' पूरा होने वाला है, जबकि 320 इकाइयों वाला दूसरा चरण 'वाटरफॉल सूट' वर्ष 2028 में पूरा होगा। सोमवार को एक बयान में क्रिसुमी ने कहा कि वह 1,051 लग्जरी इकाइयों वाली अपनी टाउनशिप के 'चरण 3 और चरण 4 में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

दुनिया में 68 प्रतिशत लोग 'अमीरों' पर कर के पक्ष में, भारत में 74 प्रतिशत

नई दिल्ली। जी-20 के वित्त मंत्री अगले महीने दुनिया के बेहद अमीर (सुपर-रिच) लोगों पर संपदा कर (वेल्थ टैक्स) लगाने को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। वहीं एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इन देशों के 68 प्रतिशत लोग अमीरों पर इस तरह का कर लगाने के पक्ष में हैं। भारत में तो यह आंकड़ा और अधिक यानी 74 प्रतिशत है। इन लोगों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर भुखमरी, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के लिए इस तरह का कर लगाया जाना चाहिए।

'अर्थ4ऑल इनिशिएटिव एंड ग्लोबल कॉमन्स अलायंस' के इस सर्वेक्षण में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के 22,000 लोगों की राय ली गई। 'सुपर-रिच' पर कर लगाने का प्रस्ताव 2013 से लगातार चर्चा में है और पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ रहा है। जी-20 के मौजूदा अध्यक्ष ब्राजील का लक्ष्य अमीरों पर कराधान को लेकर आम सहमति बनाना है। जुलाई में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में इस बारे में एक संयुक्त घोषणा पर जोर दिए जाने की संभावना है। फ्रांसीसी अर्थशास्त्री गैब्रियल जुकमैन मंगलवार को इस बारे में एक रिपोर्ट पेश करेंगे कि कैसे बेहद अमीर लोगों पर वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कर काम करेगा और इसे कितना बढ़ाया जा सकता है।

ब्राजील के जी-20 में इस कर के प्रस्ताव के पीछे जुकमैन का ही दिमाग है। जुकमैन का कहना है कि आम लोगों की तुलना में बेहद अमीर लोग काफी कम कर देते हैं। प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है। प्रत्येक देश के अरबपति व्यक्ति को इस प्रस्ताव के तहत अपनी संपदा का दो प्रतिशत सालाना कर के रूप में देना होगा। सर्वे के अनुसार, 74 प्रतिशत भारतीय इस कर के पक्ष में हैं।

68 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि दुनिया को अगले दशक में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों – बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और भोजन – में नाटकीय कार्रवाई करने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने 'कल्याणकारी अर्थव्यवस्थाओं' में बदलाव का समर्थन किया है। ऐसी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक वृद्धि के बजाय स्वास्थ्य और पर्यावरण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाता है।

मेटा एआई अब भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर पर भी उपलब्ध

नई दिल्ली। मेटा ने भारत में अपने एआई असिस्टेंट 'मेटा एआई' को व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा.एआई पोर्टल पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इसके साथ लोग अब मेटा एआई का इस्तेमाल उसके विभिन्न ऐप पर फीड्स और चैट में कर अपना काम पूरा कर सकेंगे, सामग्री बना सकेंगे और किसी विषय में गहराई तक जा सकेंगे और इसके लिए उन्हें उस ऐप से हटना नहीं होगा, जिसका वे इस्तेमाल कर रहे हैं। मेटा एआई दुनिया के अग्रणी एआई असिस्टेंट में से है। अब व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा.एआई पर यह उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि इसे मेटा लियामा 3 के साथ बनाया गया है, जो हमारा अब तक का सबसे उन्नत एलएलएम है। मेटा ने इसे भारत में अंग्रेजी और हिंदी में पेश करने की घोषणा की है। मेटा ने पिछले साल पहली बार 'कनेक्ट' में मेटा एआई की घोषणा की थी, और अप्रैल से यह दुनियाभर के उपयोगकर्ताओं के लिए लियामा 3 के साथ निर्मित मेटा एआई का नवीनतम संस्करण पेश कर रही है।

ईस्टर्न कोलफील्ड्स ने झारखंड में पायलट आधार पर अपनी पहली भूमिगत कोयला गैसीकरण परियोजना शुरू की

नई दिल्ली। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने झारखंड में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए अपनी पहली पायलट परियोजना शुरू की है। भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) जमीन में मौजूद कोयले को दहनशील गैस में बदलने की एक विधि है जिसका इस्तेमाल बिजली उत्पादन सहित विभिन्न उपयोगों के लिए किया जा सकता है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा कि कोयला मंत्रालय के रणनीतिक निर्देश के तहत ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने झारखंड के जामताड़ा जिले में कस्ता कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए एक अभिनव पायलट परियोजना शुरू की है। यह कदम कोयला खनन क्षेत्र में विविधता के केंद्र के प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने, विभिन्न उच्च मूल्य वाले रासायनिक उत्पादों में बदलने की कोयले की क्षमता को पहचानने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

ब्रिटानिया के तारातला संयंत्र के स्थायी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना स्वीकार की

कोलकाता। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कोलकाता के तारातला कारखाने के सभी स्थायी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना स्वीकार कर ली है। कंपनी के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि संयंत्र के सभी स्थायी कर्मियों द्वारा वीआरएस स्वीकार किये जाने से कंपनी के कारोबारी परिचालन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने हाल ही में तारातला संयंत्र के सभी स्थायी कर्मचारियों के वीआरएस स्वीकार करने की जानकारी शेयर बाजार को दी थी। तारातला संयंत्र देश में ब्रिटानिया के सबसे पुराने बिस्कुट विनिर्माण संयंत्रों में से एक है। यह जमीन सात दशक से भी अधिक समय पहले तत्कालीन कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट ने कंपनी को पट्टे पर दी थी।

गदर 3 में काम करना चाहती है अमीषा पटेल

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री अमीषा पटेल गदर 3 में काम करना चाहती है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर : एक प्रेम कथा वर्ष 2001 में प्रदर्शित हुयी थी। इस फिल्म में सन्नी देओल और अमीषा पटेल ने मुख्य भूमिका निभायी। पिछले वर्ष गदर : एक प्रेम कथा की सीक्वल गदर 2 प्रदर्शित हुयी। अब अनिल शर्मा , गदर 3 बना रहे हैं। अमीषा पटेल ने हाल ही एक आस्क मी एनीथिंग सेशन ट्विटर यानी एक्स पर किया। अमीषा ने यहां अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बातें की। अमीषा पटेल ने कहा कि वह गदर-3 में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनिल शर्मा उनके लिए फैमिली के जैसे ही हैं। उन्होंने कहा,हमारे रचनात्मक मतभेद फिल्म की बेहतरी के लिए हैं, लेकिन एक-दूसरे के प्रति हमारा सम्मान और लगाव इन सबसे कहीं अधिक गहरा है, इसलिए हां, यदि हम एक ही पृष्ठ पर हैं तो निश्चित रूप से 'गदर 3' में खुशी से काम करेंगे। अमीषा पटेल ने अपनी हिट फिल्म हमराज के बारे में कहा कि यह अभी पाइपलाइन में हैं। अब्बास मस्तान इसकी सक्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

दुल्हन बनीं सोनाक्षी को देख काजोल हुईं इमोशनल

कसकर गले लगाया

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर अपने सभी फैंस को सुखद झटका दे दिया। सोनाक्षी और जहीर की शादी में दोनों के परिवार, करीबी रिश्तेदार और कुछ करीबी दोस्त शामिल हुए थे। रजिस्टर्ड शादी के बाद शाम को सोनाक्षी ने बॉलीवुड के लोगों के लिए एक ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी रखी थी। रिसेप्शन में बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां भी शामिल हुईं। फिलहाल इस पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ऐसे में एक्ट्रेस काजोल के एक वीडियो ने सबका ध्यान खींचा है। जब काजोल ने सोनाक्षी सिन्हा को दुल्हन के रूप में देखा तो वह अभिभूत हो गईं। ये वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को पैपराजी इंस्टाग्राम पेज पे शेयर किया है। इसमें सोनाक्षी को देखकर काजोल की आंखों में पानी आ गया। रिसेप्शन पार्टी में लाल साड़ी, बालों में गजरा और हाथों में मेहंदी के साथ मैचिंग ट्रेडिशनल ज्वैलरी में सोनाक्षी बेहद खूबसूरत लग रही थीं। पार्टी में काजोल और सोनाक्षी ने एक-दूसरे को कसकर गले लगाया। इस दौरान सोनाक्षी इमोशनल भी होती नजर आईं। इसके बाद नए जोड़े ने काजोल के साथ डांस किया। काजोल और सोनाक्षी की ये खूबसूरत बॉन्डिंग पहले किसी ने नहीं देखी होगी। नेटिजन्स ने भी उनकी जमकर तारीफ की है।

'इंडियाज़ बेस्ट डांसर-सीज़न 4' की जज के तौर पर वापसी करेंगी

गीता कपूर

मुंबई। जानीमानी कोरियोग्राफर गीता कपूर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के शो 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर-सीज़न 4' की जज के तौर पर वापसी करने जा रही हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर इंडियाज़ बेस्ट डांसर अपने चौथे सीज़न के साथ वापस आ रहा है और इसका नया प्रोमो रिलीज हो गया है। इस बहुचर्चित होमग्रोन फॉर्मेट में डांस के प्रति अपनी अनूठी विशेषज्ञता और जुनून के साथ, प्रसिद्ध कोरियोग्राफ़र गीता कपूर इस शो के नवीनतम सीज़न के लिए पुनः जज पैनल में शामिल होंगी। गीता कपूर एक्ट में 'नयापन' तलाशेंगी, और डांसर्स को मंच पर नए और मौलिक मूव्स करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। गीता कपूर ने जज की भूमिका में वापसी करने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, इस फॉर्मेट की शुरुआत से ही इंडियाज़ बेस्ट डांसर का हिस्सा बने रहने का सफर लाजवाब रहा है। मैं चौथे सीज़न में वापसी करने के लिए उत्साहित हूं और मैं हमारे महत्वाकांक्षी प्रतिभागियों के इनोवेटिव डांस मूव्स को देखने के लिए उत्सुक हूं। इस मंच के जरिये डांस स्टार्स की अगली पीढ़ी को खोजना और उन्हें बेहतर बनाना बड़ी जिम्मेदारी है जो मुझे वाकई पसंद है, और मैं यह देखने की प्रतीक्षा नहीं कर सकती कि ये असाधारण डांसर मंच पर क्या लेकर आएंगे।

श्वेता तिवारी ने दी खुशखबरी

हिंदी कॉमेडी ड्रामा 'एक मैं और एक तू' की घोषणा

टीवी की 'क्वीन' कही जाने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने फैंस को खुशखबरी दी है। श्वेता तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "मुझे अभिनीत आगामी हिंदी कॉमेडी ड्रामा 'एक मैं और एक तू' की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हंसी और भावनाओं के रोलरकोस्टर के लिए तैयार हो जाइए। मैं अब बाकी कलाकारों से मिलने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। श्वेता तिवारी टीवी इंडस्ट्री में काफी लोकप्रिय हैं। उनके सीरियल काफी लोकप्रिय हुए हैं। 'कसौटी जिंदगी की' में प्रेरणा का किरदार आज भी दर्शकों को याद है। श्वेता तिवारी ने कुछ रियलिटी शोज में हिस्सा लेकर भी अपनी छाप छोड़ी है। वह रियलिटी शो 'बिग बॉस' की विजेता हैं। 'एक मैं और एक तू' एक हिंदी कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें श्वेता तिवारी के साथ सुरेश मेनन, नासिर वाकर, श्वेता गुलाटी, किश्वर मर्चेंट, सिद्धार्थ सागर ने अभिनय किया है।

आयुर्वेद के आसान उपायों से निखारे सौंदर्य

सौंदर्य उत्पादनों से संबंधित विज्ञापनों को देख कर हम अपनी त्वचा पर उनका प्रयोग करने लगते हैं लेकिन जब मनचाहा नतीजा नहीं मिलता तो मन मसोस कर रह जाते हैं। इसकी वजह है बिना त्वचा का प्रकार और समस्या जाने हम कोई भी सौंदर्य-उत्पाद इस्तेमाल कर लेते हैं। कहा जाता है कि आयुर्वैदिक उत्पाद अधिक लाभ देते हैं लेकिन इनका उपयोग करना ही काफी नहीं है बल्कि अपनी त्वचा से संबंधित समस्याओं की जानकारी होना भी जरूरी है।

बालों में रूसी:-

कारणः सिर की त्वचा का रूखा होना, बालों में तेल न लगाना, गलत शैंपू का चुनाव और खाने-पीने में लापरवाही।

टिप्सः

- लस्सी से सिर धोएं या बालों में दही की मसाज करें और बाद में सिर शैंपू से धो लें।
- शिकाकाई, रीठा व आंवला को रात भर भिगो कर रखें, पानी को सुबह छान कर उससे अच्छी तरह मलते हुए बाल धोएं।
- एक अंडा व दही फैंट कर बालों में आधे घंटे के लिए लगाएं व बाद में धो लें।
- नारियल या बादाम के तेल से बालों में हफ्ते में तीन बार मालिश अवश्य करें।
- नारियल तेल या सरसों तेल में नींबू का रस मिलाकर मसाज करें व बाद में किसी आयुर्वैदिक शैंपू या रीठा-आंवला-शिकाकाई मिश्रण के पानी से बाल धो लें।

बाल सफेद होने परः-

कारणः गुस्सा, चिंता, तनाव या कोई स्वास्थ्य समस्या अथवा दवाइयों का दुष्प्रभाव।

टिप्सः

- मेहंदी को कॉफी के साथ पानी में मिलाकर 5-6 महीनों तक बालों में लगाएं।
- लोहे के बर्तन में मेहंदी, शिकाकाई, रीठा व आंवला के साथ दही मिलाकर रात भर भिगोएं। सुबह इस लेप को बालों में लगाएं व एक घंटे बाद बाल धो लें।
- करीपत्ते व नारियल तेल बराबर मात्रा में लेकर गर्म करें। जब पत्ते काले हो जाएं तो तेल छान लें व इससे बालों में मसाज करें।
- भोजन में आयरन की मात्रा बढ़ा दें।

बालों का झड़नाः-

कारणः हेयर-ड्रायर या हेयर उत्पादों (डाई, हेयर-कलर, हेयर-जैल) का अधिक प्रयोग, रासायनिक शैंपू का इस्तेमाल, दवाइयों के दुष्प्रभाव, सर्जरी या फिर किसी बीमारी के कारण।

त्वचा का खुश्क होना व असमय झुर्रियांः-

कारणः धूप, प्रदूषण, मसालेदार भोजन, चाय-कॉफी अधिक पीना, ठंडी हवाएं और तले पदार्थ खाने के साथ पानी का कम सेवन करना।

टिप्सः

- कद्दूकस किए आलू में दही मिलाकर इस लेप को 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। बाद में गुनगुने पानी से धो दें।
- मक्की का आटा, शहद और दही मिलाकर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा धोकर एस्ट्रींजेंट लगा लें।
- अंडे की सफेदी में कुछ बूंदें नींबू के रस की फैंट कर चेहरे व गर्दन पर लगाएं।
- बेसन, हल्दी व जैतून का तेल मिला कर लेप बनाएं व थोड़ी देर के लिए लगाएं।
- संतरे व नींबू का रस लेकर दही में मिलाकर तैयार किए लेप को लगाने से भी लाभ मिलता है।
- सोने से पहले चेहरे पर बादाम के तेल की मालिश अवश्य करें।
- एलोवेरा जैल 10-15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं, बाद में धो दें।

डार्क सर्कल्सः-

कारणः रात को नींद पूरी न लेना, खाने में पौष्टिक तत्वों की कमी।

टिप्सः

- खाने में हरी सब्जियां व फल लें तथा पानी खूब पिएं।
- मलाई में पीसे बादाम का पेस्ट मिलाकर इसे आंखों के नीचे काले घेरों पर लगाएं। 10 मिनट बाद धो लें।
- खीरे को कद्दूकस करके उसका रस निकालें व रूई के फाहों को इस रस में भिगोकर आंखों पर रखें।
- ठंडे गुलाब जल में भीगी रूई आंखों पर रखने से भी आराम मिलता है।
- बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी वाले सनग्लासेज अवश्य लगाएं।

मुंहासेः-

कारणः अधिक तला खाना, मोटापा, तनाव, गर्मी, जंक-फूड, मिर्च मसाले वाला भोजन और गुस्सा।

टिप्सः

- दिन में एक बार चेहरे पर दही लगाएं और सूखने पर धो दें।
- टमाटर और नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर गोलाई में मसाज करें। हर दूसरे दिन यह क्रिया करें।
- सेब के गूदे को आधा घंटा मुंहासों वाले स्थान पर लगाएं, फिर चेहरा धो लें।
- चंदन पाऊडर और गुलाब जल मिला कर उभरे पिंपल पर लगाया जाए तो वह जल्दी दब जाएगा।
- पपीता, टमाटर और नींबू के रस से बना पैक भी मुहांसों के लिए फायदेमंद होता है।
- कोई भी फल (अंगूर, स्ट्रॉबेरी, अनार या संतरा) कुचल कर लगाने से मुंहासे ठीक होते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में विस्तार और नये कार्य शुरू करने का विचार कर सकते हैं।

वृषभ राशि :- नई योजनाएं बनाकर उन पर अमल करना लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा।

मिथुन राशि :-मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत होगा।

कर्क राशि :- मित्रों-परिजनों के साथ पिकनिक-पर्यटन का आयोजन हो सकता है। प्रॉपर्टी में निवेश फायदेमंद होगा।

सिंह राशि :-गृह-नक्षत्रों की अनुकूल स्थिति बनने से कारोबार में धनलाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।

कन्या राशि :- व्यावसायिक गतिविधियां सफल होंगी। आकस्मिक धनलाभ होने की संभावना रहेगी।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। काम की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि :- परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे।

धनु राशि :- परिवार के साथ आनंदपूर्व समय बीतेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मकर राशि :- कारोबार मध्यम रहेगा। कार्यों में अपेक्षानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित हो सकता है।

कुम्भ राशि :-शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

मीन राशि :- क्रोध की अधिकता रहेगी, इसलिए वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं।

जेपी नड्डा के केंद्रीय मंत्री और नेता सदन बनने के बाद भाजपा में अध्यक्ष की तलाश

जेपी नड्डा के केंद्रीय मंत्री और नेता सदन बनने के बाद भाजपा में अध्यक्ष की तलाश

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। पीएम पद के शपथ समारोह में उनके साथ राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत 71 नेताओं ने भी कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। अब जेपी नड्डा के नई सरकार में शामिल होने के बाद दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली बीजेपी को नए अध्यक्ष की तलाश है। इस पद पर अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गज नेता विराजमान रह चुके हैं, ऐसे में बीजेपी के पास सबसे बड़ी चुनौती यही है कि किसी ऐसे चेहरे को ये पद दिया जाए जो पार्टी को और आगे बढ़ा सके।

भारतीय जनता पार्टी को पहले भारतीय जनसंघ के रूप में जाना जाता था और इसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने साल 1951 में की थी। साल 1980 में बीजेपी के गठन के बाद इस पार्टी ने पहला आम चुनाव साल 1984 में लड़ा। उस वक्त इस पार्टी को केवल दो सीटों पर ही कामयाबी मिली

- **बीजेपी के स्थापना के बाद 14 अध्यक्ष पद पर 11 चेहरे रह चुके हैं**
- **अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर लालकृष्ण आडवाणी भी रह चुके हैं अध्यक्ष**

थी। बीजेपी का पहला अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी को बनाया गया था। उन्होंने 1980-1986 तक इस पद को संभाला। आज यह पार्टी इस मुकाम पर है कि अपने आपको सबसे बड़ी पार्टी होने दावा कर रही है तो इसके पीछे अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की अहम भूमिका रही है। अटल के बाद बीजेपी के अध्यक्ष बनें लालकृष्ण आडवाणी। वह 1986 से 1991 तक पार्टी के अध्यक्ष रहें। आडवाणी न सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता हैं बल्कि उन्हें इस पार्टी का मजबूत स्तंभ भी माना जाता हैं। एलके आडवाणी वही शख्स हैं, जिन्होंने बीजेपी की नींव रखने में अहम भूमिका निभाई थी। इतना ही नहीं लाल कृष्ण आडवाणी बीजेपी के सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने वाले नेता हैं। वह लंबे समय तक सांसद के तौर पर देश की सेवा कर चुके हैं। आडवाणी के बाद मुरली मनोहर जोशी (1991-1993), कुशाभाऊ ठाकरे (1998-2000), बंगारू लक्ष्मण (2000-2001), जना कृष्णमूर्ति (2001-2002), वेंकैया नायडू (2002-2004), राजनाथ सिंह (2005-2009), नितिन गडकरी (2009-2013), अमित शाह (2014-2020) और जेपी नड्डा (2020-23) को पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया।

बीजेपी में एक व्यक्ति कितनी बार अध्यक्ष पद पर रह सकता है?

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है. ऐसे में एक व्यक्ति लगातार 2 बार अध्यक्ष

बन सकता है। हालांकि लाल कृष्ण आडवाणी इस पद को तीन बार संभाल चुके हैं। उनके अलावा राजनाथ सिंह इकलौते ऐसे व्यक्ति है जो इस पार्टी के दो बार अध्यक्ष रहें। भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष के अलावा कार्यकारिणी, परिषद, समिति और उसके पदाधिकारियों और सदस्यों का कार्यकाल भी 3 साल का होता है।

11 चेहरे में 45 प्रतिशत अध्यक्ष ब्राह्मण जाति के

भारतीय जनता पार्टी में 1980 के बाद से अब तक जितने भी अध्यक्ष चेहरे रहे हैं उनमें से लगभग 45 प्रतिशत यानी कुल 5 ब्राह्मण जाति के थे। इस लिस्ट में अटल बिहारी वाजपेयी, मुरली मनोहर जोशी, जन कृष्णमूर्ति, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा का नाम भी शामिल है।

बीजेपी के स्थापना के बाद से इस पार्टी ने जितने भी 11 चेहरों को अध्यक्ष बनाया है, उनमें से 10 नेता अगड़ी जाति के है। जबकि केवल एक व्यक्ति बंगारू लक्ष्मण दलित समाज से आते हैं।

कितना पावरफुल होता है बीजेपी अध्यक्ष का पद

अध्यक्ष का पद इस पार्टी का सर्वोच्च पद है। दरअसल पार्टी के भीतर 3 अहम टीम होती हैं। पहली, राष्ट्रीय कार्यकारिणी, दूसरी संसदीय बोर्ड की और तीसरी राष्ट्रीय चुनाव समिति। इन तीनों टीम को एक तरह से पार्टी की कोर टीम मानी जाति है, जिसकी अहम बैठकों का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष करते हैं। पार्टी से जुड़े ज्यादातर अहम और बड़े फैसले इन्हीं समिति या बोर्ड की बैठकों में लिए जाते हैं। 18 फरवरी 2024, दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर एक प्रस्ताव पास हुआ, जिसके अनुसार अध्यक्ष पद के खाली होने पर पार्लियामेंट्री बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकेगा। हालांकि, पार्टी के संविधान की धारा-19 में कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कई नियम बनाए गए हैं। जिसके मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य मिलकर करते हैं। अध्यक्ष पद का चुनाव पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बनाए गए नियमों के मुताबिक ही होता है। इस पार्टी का अध्यक्ष बनने के लिए सबसे जरूरी है कि नामांकन दर्ज करने वाला व्यक्ति कम से कम 15 साल तक पार्टी का प्राथमिक सदस्य रह चुका हो। इसके अलावा प्रदेश या राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कम से कम 20 सदस्य, किसी भी व्यक्ति का नाम पेश कर सकते हैं। बीजेपी का संविधान कहता है कि कम से कम 50 प्रतिशत यानी आधे राज्यों में संगठन चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकता है। जिसका मतलब देश के 29 राज्यों में से 15 राज्यों में संगठन के चुनाव के बाद ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है।

कितनी बार BJP में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ है?

भारतीय जनता पार्टी में अब तक एक बार भी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं हुआ है। इस पार्टी में वैसे तो अध्यक्ष पद के चुनाव को आंतरिक लोकतंत्र और आम सहमति का नाम दिया जाता है। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए राजनीतिक गलियारे में कई नामों की चर्चा की जा रही है। इस लिस्ट में मध्य प्रदेश के आदिवासी नेता फग्गन सिंह कुलस्ते, हिमाचल प्रदेश के युवा कद्दावर सांसद अनुराग ठाकुर, विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश प्रभारी के तौर पर शानदार प्रदर्शन कर चुके सुनील बंसल भी शामिल है। इसके अलावा इस बात की भी चर्चा है कि भारतीय जनता पार्टी दक्षिण भारत में विस्तार के मिशन पर है। लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भी पीएम मोदी ने दक्षिण भारत के राज्यों में प्रदर्शन सुधारने पर काफी जोर लगाया था, हालांकि चुनावी परिणाम को देखें तो इसका कुछ खास फायदा होता नजर नहीं आया। ऐसे में अनुमान ये भी लगाया जा रहा है कि पार्टी इस शीर्ष पद की जिम्मेदारी दक्षिण भारत के किसी नेता को सौंप सकती है। हालांकि देखना होगा कि बीजेपी और संघ मिलकर अध्यक्ष पद के लिए किस नेता के नाम पर मुहर लगाते हैं।

निर्मला सीतारमण ने बजट पर की चर्चा

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। केंद्र में भाजपा गठबंधन की सरकार के गठन के साथ ही बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। लोकसभा चुनाव से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट पेश किया था। अब वह जुलाई में पूर्ण बजट लेकर आने वाली हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 पर सुझाव लेने के लिए नई दिल्ली में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों से आगामी बजट को लेकर सुझाव मांगे गए।

इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, गोवा, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम के मुख्यमंत्री, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री, राज्य के वित्त मंत्री और अन्य मंत्री शामिल हुए। इसके अलावा कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों विधानमंडल के साथ एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में उपस्थित रहे। फाइनेंस सेक्रेटरी ने बैठक में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। भारत

- **कई सीएम और वित्त मंत्री ने की स्पेशल डिमांड**

सरकार की पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना की ज्यादातर मंत्रियों ने सराहना की। साथ ही इस योजना में और सुधार के लिए कुछ सुझाव भी दिए। बैठक में शामिल रहे लोगों ने अपने-अपने राज्य के लिए कुछ विशेष मांग भी कीं। साथ ही राज्यों के विकास को और तेज करने के लिए बजट के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कई सुझाव भी दिए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बैठक के दौरान कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के विकास को बढ़ावा देने के लिए हर तरह से सहयोग करने को तैयार है। इसमें समय पर टैक्स का बंटवारा, फाइनेंस कमीशन की ग्रांट और जीएसटी एरियर के भुगतान जैसे विषय शामिल हैं। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के माध्यम से हर राज्य के विकास को गति दी जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से ज्यादातर लोन बिना किसी शर्त के राज्यों को मुहैया कराए जाते हैं, लेकन इनका एक हिस्सा राज्यों द्वारा लोगों के जीवन में सुधार और सेक्टर आधारित प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने की शर्त से जुड़ा हुआ है। उन्होंने राज्यों से अपील की कि गाइडलाइन्स का पालन करते हुए इन लोन का लाभ उठाएं। वित्त मंत्री ने सभी प्रतिनिधियों को उनके इनपुट और सुझावों के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें केंद्रीय बजट 2024-25 की तैयारी के दौरान केंद्र सरकार द्वारा उचित विचार का आश्वासन दिया।

लघु सिंचाई विभाग और नगर निगम करेगा भूजल दोहन पर बड़ी कार्रवाई: महापौर

भूजल दोहन पर महापौर हुई सख्त, अधिकारियों के साथ की बैठक

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। शहर में लगातार भूजल स्तर गिरता जा रहा है जिसको लेकर महापौर ने सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध पानी के प्लांट, अवैध डेरी, एवं औद्योगिक इकाइयों पर कार्यवाही के निर्देश दिए है बैठक के दौरान जी एम जल के पी आनंद, लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता हरिओम कुमार, अवर अभियंता शेषमणि यादव उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान महापौर ने निर्माण विभाग, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं लघु सिंचाई विभाग पूरे दस्ते एवं पुलिस बल के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कल से सीलिंग एवं जुमार्ने की कार्यवाही शुरू करेंगे। शहर की हर गली में अवैध पानी के प्लांट बनाए हुए है जो जल का दुरुपयोग कर रहे है और पानी के टी डी इस के माप को भी कम करके अवैध तरीके से पानी बेच रहे है, ऐसे ही शहर में अवैध डेरी भी बहुत अधिक मात्रा में है जो गोबर को नाले/सीवर में बहाने के लिए समरसेबल के माध्यम से जलदोहन

- **अवैध पानी के प्लांट, अवैध डेरी, एवं ऐसे अधिष्ठान जो अवैध जल दोहन कर रहे हैं सभी पर सीलिंग के साथ लगेगा जुमार्ना**
- **हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल दूषित करने वालो पर भी होगी कार्यवाही: महापौर**

कर रहीं हैं जिससे नाले/सीवर भी चौक हो रहे हैं, और ऐसे ही शहर में तमाम फार्म हॉउस, छोटी बड़ी फैक्टरी, कारखाने, आदि भी जलदोहन कर रहे है एवं हार्वेस्टिंग के जरिये दूषित पानी/कैमिल्क युक्त दूषित पानी को भूजल तक भेजते हैं जिससे भूजल दूषित होता जा रहा है उपरोक्त के खिलाफ भी सख्ती से कार्यवाही की जाएगी।

महापौर ने बताया कि जल कल विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, लघु सिंचाई विभाग, समस्त टीम के साथ जगह चिन्हित कर कार्य करना सुनिश्चित करें जिससे अवैध डेयरी पर भैंस को जब्त करने की कार्यवाही भी की जानी है, जी एम जल व लघु

सिचाई अधिशासी अभियंता द्वारा महापौर जी को आश्वासन दिया कि दिन में 8-10 प्लांट को सील करके कार्यवाही अमल की जाएगी और अवैध डेरियों पर भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, कल टीम सभी 11 बजे से शहर के पसौंडा गांव, अशोक नगर, भौपुरा, विजय नगर, लाजपत नगर, शालीमार गार्डन, डी एल एफ कॉलोनी, गोविंद पुरम, नंदग्राम, शहीद नगर एवं अन्य स्थानों पर निकलेगी और कार्यवाही करेगी।

मायावती ने सपा, कांग्रेस पर साधा निशाना

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। 18वीं लोकसभा के पहले दिन सपा-कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष संविधान की किताब लेकर संसद पहुंचे थे। इस पर मायावती ने बिना किसी नेता का नाम लिए गंभीर आरोप लगाए हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि संसद में विपक्ष द्वारा संविधान की कॉपी दिखाई जाने के मामले में ये सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे लग रहे हैं और इन दोनो ने मिलकर इस संविधान को जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी संविधान बना दिया। सत्ता और विपक्ष की दोनो की अंदरूनी मिलीभगत है। दोनों ही सत्ता विपक्ष की अंदरूनी मिलीभगत से जबरदस्ती संविधान बचाने का नाटक किया जा रहा है। बसपा चीफ ने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ये दोनों ही भारतीय संविधान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं ये कतई उचित नहीं है। इन दोनों ने अंदर-अंदर मिलकर संविधान में इतने संशोधन कर दिए की अब ये समतामूलक, धर्म निरपेक्ष नहीं बल्कि पूंजीवादी, जातीवादी और सांप्रदायिक संविधान बनकर रह गया है। ये दोनों ही आरक्षण को समाप्त करना चाहते हैं और एससी, एसटी, आदिवासी को संविधान का लाभ नहीं देना चाहते।

बता दें सपा और कांग्रेस के सांसद , संसद में सोमवार को संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे। इतना ही नहीं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बतौर वाराणसी सांसद शपथ लेने पहुंचे तब राहुल गांधी ने उन्हें संविधान की कॉपी दिखाई। सपा के सभी 37 सांसद भी संविधान लेकर संसद पहुंचे। लोकसभा चुनाव के दौरान भी सपा और कांग्रेस ने एक सुर में संविधान और आरक्षण बचाने का मुद्दा उठाया था। बीजेपी का मानना है कि यूपी में विपक्ष के झूठे प्रचार का नुकसान हुआ।

स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद को लेकर तनातनी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच लोकसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद को लेकर खींचतान देखने को मिल रही है। सरकार का दावा है कि सर्वसम्मति से स्पीकर चुनाव किया जा रहा है। हालांकि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने राजनाथ सिंह पर आरोप लगाया था कि फिर हमारे नेता का अपमान किया जा रहा है, जिस पर अब राजनाथ सिंह ने पलटवार किया है।

राहुल गांधी ने राजनाथ पर आरोप लगाया था कि उनकी बात मल्लिकार्जुन खरगे से हुई थी। उन्होंने कॉल करने को कहा था, लेकिन उन्होंने कॉल नहीं किया। हमारे नेताओं का अपमान किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे एक वरिष्ठ नेता हैं और मैं उनका सम्मान करता हूं।

मेरी उनसे तीन बार बातचीत हो चुकी है। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राजनाथ पर आरोप लगाते हुए कहा था कि मल्लिकार्जुन खरगे के पास केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का फोन आया, राजनाथ सिंह जी ने खरगे जी से अपने स्पीकर के लिए समर्थन मांगा, विपक्ष ने साफ कहा है कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे लेकिन विपक्ष को डिप्टी स्पीकर मिलना चाहिए।

राजनाथ सिंह जी ने कहा था कि वे खरगे जी कॉल रिटर्न करेंगे अभी तक खरगे जी के पास कोई जवाब नहीं आया है। पीएम मोदी कह रहे हैं रचनात्मक सहयोग हो फिर हमारे नेता का अपमान किया जा रहा है, नीयत साफ नहीं है। नरेंद्र मोदी जी कोई रचनात्मक सहयोग नहीं चाहते हैं। परंपरा है कि डिप्टी स्पीकर विपक्ष का होना चाहिए विपक्ष ने कहा है अगर परंपरा को कायम रखा जाएगा तो हम पूरा समर्थन देंगे।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर भी यही ये बात

इसको लेकर कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि राजनाथ सिंह जी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को फोन किया और अनुरोध किया कि आप हमारे स्पीकर को समर्थन दें। इस पर खरगे जी ने पूरे विपक्ष की तरफ से कहा कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे, लेकिन डिप्टी स्पीकर विपक्ष का हो। लेकिन, अभी तक राजनाथ सिंह जी ने खरगे जी को कोई जवाब नहीं दिया है। आगे लिखा कि नरेंद्र मोदी वैस तो विपक्ष से सहयोग की बात करते हैं, लेकिन अब हमारे नेता का अपमान किया जा रहा है। ये दिखाता है कि बीजेपी की नीयत साफ नहीं है। इससे पहले कांग्रेस बीजेपी पर संविधान बदलने को लेकर आरोप लगा रही है।

नीट मामले में केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन!

- **बनाई हाई लेवल कमेटी, दो महीने में सौंपेगी रिपोर्ट**
- **नीट पेपर लीक मामले में अब तक 24 गिरफ्तारी**

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। नीट पेपर लीक के आरोपों के बीच शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षाओं को ट्रांसपेरेंट और निष्पक्ष बनाने के लिए विशेषज्ञों की एक हाई लेवल कमिटी बनाई। ये कमिटी परीक्षा की प्रक्रियाओं में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और एटीए के स्ट्रक्चर पर काम करेगी। यह समिति 2 महीने के अंदर शिक्षा मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस हाई लेवल कमिटी के चेयरमैन के रूप में इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के राधाकृष्णन कार्यभार संभालेंगे। इस उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष और मेंबर्स की लिस्ट में एआईआईएमएस के जाने माने पूर्व डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया भी शामिल हैं। इस समिति में हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर बीजे राव, आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस राममूर्ति के, पीपल

- **पेपर लीक के लिए वसूली गई मोटी रकम**

स्ट्रॉन्ग के सह-संस्थापक और कर्मयोगी भारत के बोर्ड सदस्य पंकज बंसल, आईआईटी दिल्ली में छात्र मामलों के डीन प्रोफेसर आदित्य मित्तल शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जयसवाल शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उच्च स्तरीय पैनल एंड-टू-एंड परीक्षा प्रक्रिया का विश्लेषण करेगा और परीक्षा प्रणाली में क्या-क्या सुधार किया जा सकता है इसका उपाय बताएगी। इसके साथ ही पैनल एनटीए की मौजूदा डेटा सुरक्षा प्रक्रिया और प्रोटोकॉल का मूल्यांकन करेगा और इसके सुधार को लेकर सिफारिश करेगा. यह समीति एनटीए के हर स्तर के पदाधिकारियों की भूमिका और उनकी जिम्मेदारी की जांच भी करेगा। इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एनटीए के कामकाज की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति बनाए जाने की बात कही थी। साथ ही उन्होंने एनटीए के अधिकारियों सहित दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाने की भी बात कही थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा था कि हमें अपनी व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए और सरकार किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पेपर लीक कर वसूली मोटी रकम

सीबीआई को जानकरी मिली है कि इस पूरे पेपर लीक कांड को एक संगठित तरीके से अंजाम दिया गया पेपर करीब 48 घंटे पहले लीक हुआ था। जिन केंडिडेट ने पैसा दिया थे उन्हें एक रात पहले ही मुहैया करवाया गया था। इसी वजह है कि पेपर लीक पेन इंडिया

नहीं हो पाया। आरोपी इतने शातिर थे कि उन्होंने कैंडिडेट्स को लीक क्वेश्चन पेपर का लिमिटेड एक्सेस दिया था। अभी तक क्वेश्चन पेपर के बॉक्स में किसी भी तरह की छेड़छाड़ का कोई सुराग नहीं मिला है। जिन बैंक के लॉकर के क्वेश्चन पेपर रखा गया, जिन कूरियर कंपनियों ने बैंक तक और वहां से सेंटर भेजा है, सभी के बयान दर्ज होंगे। उनके रूट की मैपिंग होगी। जांच एजेंसी को शक है कि पेपर लीक उस समय हुआ जब इन्हें बैंक के लॉकर तक भेजा जा रहा था। जो जला हुआ क्वेश्चन पेपर बरामद हुआ उसे एनटीए के रेफेरेंस क्वेश्चन पेपर सीएफएसएल में मैच किया जा रहा है। इस मामले में अभी तक 24 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिसमें से 3 लोगों को बिहार के पटना, झारखंड के देवघर से 5, गुजरात के गोधरा से 5, महाराष्ट्र के लातूर से एक शख्स से है। ईओयू ने झारखंड के देवघर से तीन साइबर क्रिमिनल काजू, बिट्टू और पंकु मुख्यतौर को गिरफ्तार किया है। उनके पास 11 पोस्ट डेटेड चेक, दर्जनों सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। सीबीआई ने पेपर लीक की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में सीबीआई सभी पांच केस बिहार और गुजरात में एक-एक और राजस्थान में पेपर लीक के पांच मामलों की जांच करेगी। ईओयू ने जांच सीबीआई को सौंप दी है। बताया जा रहा है कि 700 छात्रों के पेपर लीक हुआ था और उनसे 40 लाख रुपए से अधिक रकम वसूल की गई थी। पेपर लीक करवाने वाले गिरोह की ओर से छात्रों को चार ऑप्शन दिए गए थे, जिनमें छात्र की जगह कोई और पेपर देगा, पेपर मिलेगा, ऑडिय-वीडियो से नकल करवाई जाएगी और कॉपी जमा करने के बाद दोबारा कॉपी मिलेगी और उसमें सही उत्तर भरकर दोबारा जमा करवाई जाएगी। इसके लिए एक लाख से 5 लाख रुपए तक का शुल्क निर्धारित किया गया था।